खण्ड-07 सत्र-03 (भाग-03) अंक-31

बृहस्पतिवार 1 सितम्बर, 2022 10 भाद्रपद, 1944 (शक)

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्यमेव जयते

सातवीं विधान सभा

तीसरा सत्र

अधिकृत विवरण

(खण्ड-07 सत्र-03 (भाग-03) में अंक 27 से अंक 31 तक सम्मिलित हैं)

दिल्ली विधान सभा सचिवालय

पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054

सम्पादक वर्ग

EDITORIAL BOARD

राज कुमार

सचिव

RAJ KUMAR

Secretary

महेन्द्र गुप्ता

उप-सचिव (सम्पादन)

MAHENDRA GUPTA

Deputy Secretary (Editing)

विषय सूची

सत्र-3 (भाग-3) बृहस्पतिवार, 1 सितम्बर, 2022/10 भाद्रपद, 1944(शक) अंक-31

क्र.सं.	विषय	पृष्ठ सं.
1.	सदन में उपस्थित सदस्यों की सूची	1-2
2.	सदन में अव्यवस्था	4-18
3.	विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा	19-78

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र-3 (भाग-3) बृहस्पतिवार, 1 सितम्बर, 2022/10 भाद्रपद, 1944(शक) अंक-31

दिल्ली विधान सभा

सदन पूर्वाह्न 11.00 बजे समवेत हुआ।

निम्नलिखित सदस्य सदन में उपस्थित हुए:

1. श्री अजेश यादव
2. श्री अखिलेश पति त्रिपाठी
3. श्रीमती ए धनवती चंदेला ए
4. श्री अजय दत्त
5. श्रीमती आतिशी
6. श्री अमानतुल्ला खान
7. श्री अब्दुल रहमान
8. श्रीमती बंदना कुमारी
9. सुश्री भावना गौड़
10. श्री बी. एस. जून
11. श्री धर्मपाल लाकड़ा
12. श्री दिनेश मोहनिया
13. श्री दुर्गेश पाठक
14. श्री गिरीश सोनी
15. श्री हाजी युनूस
16. श्री जय भगवान
17. श्री करतार सिंह तंवर
18. श्री कुलदीप कुमार
19. श्री मुकेश अहलावत
20. श्री महेन्द्र यादव

21. श्री मदन लाल
22. श्री नरेश यादव
23. श्रीमती प्रीति जितेंद्र तोमर
24. श्री प्रवीण कुमार
25. श्रीमती प्रमिला धीरज टोकस
26. श्री प्रकाश जारवाल
27. श्री ऋतुराज गोविंद
28. श्री रघुविंदर शौकीन
29. श्री राजेश गुप्ता
30. श्री राजकुमार आनंद
31. श्री रोहित कुमार
32. श्री शरद कुमार चौहान
33. श्री संजीव झा
34. श्री सोम दत्त
35. श्री शिव चरण गोयल
36. श्री सोमनाथ भारती
37. श्री सौरभ भारद्वाज
38. श्री सही राम
39. श्री एस. के. बग्गा
40. श्री सुरेंद्र कुमार
41. श्री विनय मिश्रा
42. श्री वीरेंद्र सिंह कादियान
43. श्री अभय वर्मा
44. श्री अनिल कुमार बाजपेयी
45. श्री अजय कुमार महावर
46. श्री जरनैल सिंह
47. श्री जितेंद्र महाजन
48. श्री महेंद्र गोयल
49. श्री मोहन सिंह बिष्ट
50. श्री ओम प्रकाश शर्मा
51. श्री पवन शर्मा
52. श्री प्रलाद सिंह साहनी
53. श्रीमती राजकुमारी ढिल्लों
54. श्री राजेश ऋषि
55. श्री शोएब इकबाल
56. श्री विजेंद्र गुप्ता
57. श्री विशेष रवि

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र-3 (भाग-3) बृहस्पतिवार, 1 सितम्बर, 2022/10 भाद्रपद, 1944(शक) अंक-31

दिल्ली विधान सभा

सदन पूर्वाह्न 11.07 बजे समवेत हुआ।

माननीया अध्यक्ष महोदय (श्रीमती राखी बिरला) पीठासीन हुई।

माननीया अध्यक्षः माननीय सदस्यगण मुझे कई सदस्यों से ध्यानाकर्षण की सूचनाएं प्राप्त हुई है। सदन में विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा शुरू हो चुकी है। जैसा कि मैने कल भी कहा था कि जब तक विश्वास प्रस्ताव का निर्णय नहीं हो जाता तब तक किसी अन्य विषय को सदन में विचार हेतु नहीं लिया जा सकता। माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि वो सदन की कार्यवाही के संचालन में मुझे सहयोग दें।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी (माननीय नेता, प्रतिपक्ष): विपक्ष की ओर से क्या क्या शार्ट डयूरेशन डिस्कशन लगाए है उनके बारे में हाउस को बताऐं तो सही मैडम। इसमें भी कोई परेशानी है क्या। आप बोलने नहीं दे रहे हैं। ये एक विषय है। यदि हमने किन विषयों पर चर्चा मांगी है, ये सदन में बताएं तो सही और ये कितने दिन चलेगा। ये तो पांच दिन हो गये इसी को चलते-चलते।

बहुत सारे ईशूज हैं दिल्ली विधान सभा में। दिल्ली में लोगों को पीने का पानी नहीं मिल रहा है। दिल्ली दुनिया की सबसे ज्यादा पोल्यूटिड कैपिटल डब्ल्यूएचओ ने घोषित कर दी है। दिल्ली की सरकार के हॉस्पिट्ल्स की हालत खराब है।

माननीया अध्यक्षः हो गया आपका।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः हजारों करोड रूपये का।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः मैं बात कर रही हूं ना। मैं बात कर रही हूं ना। मुझे ये बताईये जब मैं उनकी बात सुन रही हूं तो पक्ष और विपक्ष के साथियों को आपको खड़े होने की क्या जरूरत है। बिधूडी जी दो मिनट मैं बोल लूं। बिधूडी जी मैं दो मिनट बोल लूं। बिधूडी जी मैं अपनी बात रख लूं। कुलदीप जी क्या हो जाता है आपको। मैं बात कर रही हूं ना उनसे। देखिए मैंने कल भी बैठते ही यहां रूलिंग दी। आज भी बैठते ही एक रूलिंग दी। कल की रूलिंग में एक विशेष लाईन को जोडा गया था कि जिस-जिस को बोलने का मौका मिलेगा, जो-जो बोलना चाहता है, अपने वक्तव्य में अपने विषय वो रख सकता है, पहली बात। वो बात आप पर भी लागू होती है। सत्ता पक्ष पर भी लागू होती है। मैं अपनी बात को पूरा कर लूं। दूसरी बात आज भी मैंने बैठते ही ये ही बात बोली है कि विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा शुरू हो चुकी है। जब तक विश्वास प्रस्ताव का पूर्णरूप से जो है चर्चा खत्म हो कर निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक किसी भी अन्य विषय को...

श्री विजेन्द्र गुप्ताः समय तयकरिये ना आप कि इतने बजे विश्वास मत पर चर्चा होगी। क्या एजेंटा है ये। कोई एजेंडा थोडे ही है ये।

माननीया अध्यक्षः मैं उसी पर आ रही हूं।

श्री विजेन्द्र गुप्ताः मजाक चल रहा है ये। इसमें कोई एजेंटा नहीं होता कभी।

माननीया अध्यक्षः विजेन्द्र गुप्ता जी मैने कल भी आपको एक बात कही थी कि आप खुद ही नहीं चाहते। आप खुद ही नहीं चाहते कि आपका कोई विषय सदन पटल पर आए। आप खुद ही नहीं चाहते कि आपके विषय पर डिस्कशन हो। आप खुद ही नहीं चाहते कि आप के विषय पर चर्चा हो। जब मैं बार–बार कह रही हूं...

श्री विजेन्द्र गुप्ताः फिर कहते हो कि...

माननीया अध्यक्षः मैने ऐसा नहीं बोला।

श्री विजेन्द्र गुप्ताः 'आप' सरकार भाग रही है।

माननीया अध्यक्षः कहां से भाग रही है। क्या भाग रही है। विश्वास...

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः अजय दत्त जी। अजय दत्त जी। बिधूडी जी बिठाइए। देखिए अगर आप इस चेयर की कार्यवाही पर, सदन की कार्यवाही पर किसी भी प्रकार का संदेह उठाते हैं, तो उस संदेह को दूर करना मेरी जिम्मेदारी बनती है और आपकी भी ये जिम्मेदारी बनती है कि जब वो संदेह दूर किया जा रहा है तो आप अपने साथियों को अनुशासित रवैया अपनाने के लिए बोले और आप पहले इन्हें अनुशासन में बैठने के लिए बोलें। अगर आपका संदेह दूर करना है, पहले आप इन्हें बैठाइये। आप लीडर ऑफ ऑपोजिशन है। आप विपक्ष के

नेता है या नहीं है, हैं या नहीं हैं? तो आप इन्हें बिठाइये। बैठाइये आप इन्हें और फिर आप मुझसे बात करिए। जब तक आप इन विपक्ष के लोगों को कन्ट्रोल नहीं करेंगे।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः मैं एक बात स्पष्ट कर दूं।

माननीया अध्यक्षः आप पहले उन्हें बैठाइये ना। आप बैठाइये एक बार। बिधूडी साहब देखिए मैं आपका बहुत सम्मान करती हूं। आप सबसे सीनियर सदस्य हैं। जब तक आप अनुशासन में सहयोग नहीं करेंगे मैं नहीं सुनूंगी। इनको बैठाइये विजेन्द्र गुप्ता जी और ओपी शर्मा जी को क्योंकि वो चेयर की तो सुनते नहीं है। वो हमारी तो सुनते नहीं है। हम भी आप से हाथ जोड रहे हैं कि आप बैठिए। आप बैठिए। आप बैठिए। ओपी शर्मा जी आप बैठिए। आप शान्तिपूर्वक अपने विपक्ष के नेता और मेरे बीच जो वार्तालाप हो रहा है उसको सुनिए। आप उसको सुनिये। सुनने की थोडी सी हिम्मत रखिए। मैं कलसे इस बात को लगातार कह रही हूं कि विपक्ष चाहता ही नहीं कि उनका मुद्दा सदन पटल पर आए और अगर आप चाहते कि आपके मुद्दे सदन पटल पर आएं जो आप लगातार कह रहे हैं कि चार दिन से कोई भी बात नहीं रखी जा रही है। क्या विपक्ष का एक भी व्यक्ति मुझ से निजी मुलाकात करने के लिए मेरे कक्ष में आया कि हमारी बात नहीं रखी जा रही। हमें सुना नहीं जा रहा। हमारे विषय पर चर्चा नहीं की जा रही। सिर्फ फुटेज के लिए और मीडिया के चर्चा में आने के लिए अगर आप ये करते हैं तो बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है ये। आपको शर्म आनी चाहिए। इतना दुर्भाग्यपूर्ण, मुझे आपसे ये उम्मीद नहीं थी बिधूडी जी। बिधूडी जी आप बहुत सम्मानित नेता है। आप सदन के सबसे सीनियर नेता है।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः डिप्टी स्पीकर साहिबा।

माननीया अध्यक्षः आपको सदन की मर्यादा भी नहीं पता है।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः डिप्टी स्पीकर साहिबा। 62 विधायकों का, 62 विधायकों का अरविंद केजरीवाल जी में पूर्ण विश्वास है ये नाटक करने की आवश्यकता क्या है।

माननीया अध्यक्षः आपको नाटक लगता है... क्या बात है, अजय दत्त जी बाहर चलो। अजय दत्त जी 15 मिनट के लिए बाहर... रोहित जी, अगर सत्ता पक्ष से कोई भी बोला। अजय दत्त जी मैं अब आपको पन्द्रह मिनट के लिए बाहर कर दूंगी अगर अब आप बोले तो और ये बात आप समझ लीजिए, विपक्ष जो चेयर पर संदेह लगा रहा है जो आरोप लगा रहा है उस आरोप को आज इस सदन में साफ करने की बहुत सख्त जरूरत पड़ गई है। इन्होंने क्या बोला है विपक्ष के लोगों ने कि विश्वास प्रस्ताव लाने की क्या जरूरत पड़ गई थी। बिहार में जो हुआ, महाराष्ट्र में जो हुआ। अलग-अलग राज्यों में जो हो रहा है ये किसी से छिपा नहीं है। अगर विपक्ष... बिधूडी जी गलत बात है। बिधूडी जी, और मैं फिर कह रही हूं।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः बैठ जाईये ओपी शर्मा जी और मैं फिर कह रही हूं आज आपके एक-एक विषय को लिया जाएगा। विपक्ष के एक-एक विषय को लिया जाएगा। निष्पक्ष तरीके से सदन की कार्यवाही होगी। लेकिन आप लोगों से मैं पूर्ण रूप से सहयोग की उम्मीद करती हूं कि आप सदन को चलाने में सहयोग करेंगे। आप लोग बैठिए। आप बैठिए। आप बैठिए। ये विजेन्द्र गुप्ता

जी या तो आप बैठ जाइये या मैं पूरा दिन के लिए बाहर कर दूंगी। मैं आपके सारे विषय लूंगी। मैं आपके सारे विषय लूंगी। बिधूड़ी जी, मैं लगातार कह रही हूं मैं आपके सारे विषय लूंगी आप सहयोग करिए। आप सहयोग कीजिए। आप लोगों के सारे विषय चर्चा हेतु लिये जाएगें। मैने मना नहीं किया है। मैने एक लाईन बोली है विश्वास प्रस्ताव पर जब तक निर्णय नहीं हो जाता तब तक किसी अन्य विषय को नहीं लिया जा सकता। ये नहीं कहा कि किसी विषय को नहीं लिया जाएगा। ये नहीं कहा है और या तो एक व्यक्ति बात कर ले। बिधूडी पहले आप इन्हें बैठा दीजिए। मुझे सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने दीजिए।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी: एक हाथ से ताली नहीं बजती है।

माननीया अध्यक्ष: ये ही तो मैं भी कह रही हूं कि आप सहयोग करिए।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी: दो कदम तुम बढ़ो, दो कदम हम बढ़ें और चर्चा करवाईये ना। जो दिल्ली के मुद्दे हैं।

माननीया अध्यक्ष: आपने बात कह ली ना मैं बोलू।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी: हम तो ये ही चाहते हैं। 77 करोड रूपया।

माननीया अध्यक्ष: अभय वर्मा जी आपको क्या हो जाता है बोल रहे हैं ना आपके नेता। बोल रहे है ना।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी: ऑनरेबल डिप्टी स्पीकर साहिबा, ऑनरेबल स्पीकर साहिबा 77 करोड रूपया इस सदन के ऊपर खर्च हो रहा है, 77 करोड रूपया।

मननीया अध्यक्षः मैं आपकी बात पर ही बोल रही हूं। ओपी शर्मा जी से विशेष निवेदन है बैठिए। आप भी बैठिए दो मिनट। देखिए विपक्ष के साथी लगातार कह रहे हैं कि हमारी चर्चा हमारे विषय नहीं लिये जा रहे है। मैने अभी थोडी देर पहले भी बोला और मैं इस बात को फिर दोहरा रही हूं कि अगर आपको ऐसा लगता है चार दिन हो गए सदन चलते हुए आप में से किसी भी व्यक्ति ने विपक्ष के आकर ना मुझे से निजी तौर पर बात करी कि ये ये हमारे मुद्दे हैं। बात बोलने दीजिए, बीच में मत बोलिये। मुझे पूरी बात कर लेने दीजिए। किसी ने भी एक भी विषय पर आकर मुझ से बात नहीं करी। ये तो इनकी गम्भीरता है। आप आते हैं हो-हल्ला आप सदन में करते हैं। उसके बाद सारा मीडिया ब्रिफिंग करते हैं। मैं आज इस चेयर से फिर इस बात की निष्पक्षता को जाहिर करते हुए मैं आपको कह रही हूं कि आपके सारे विषय लिये जाएगें। एक लाईन मैंने एक वाक्या बोला है कि जब तक विश्वास प्रस्ताव का कोई ठोस निर्णय नहीं हो जाता तब तक किसी अन्य विषय को नहीं लिया जा सकता। इस बार विश्वास प्रस्ताव पर निर्णय हो जाता है तब आपके मुद्दों पर विचार किया जाएगा। बिधूडी जी, आप मुझे सदन चलाने दें। पूरे पन्द्रह मिनट खराब हो गए। पूरे पन्द्रह मिनट खराब हो गए। पूरे पन्द्रह मिनट खराब हो गए। आज भी आपने पूरे बीस मिनट खराब कर दिये। आज भी आप लोगों ने पूरे बीस मिनट खराब कर दिये। मुझे कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने दीजिए। मुझे कार्यवाही... मेरी विनम्र प्रार्थना है, मेरी विनम्र प्रार्थना है। गलत है प्लीज बैठ जाईये मैं आपसे विनती कर रही हूं। बैठ जाइये ना फिर। issue नहीं है तो बैठ जाइये। मैने जब आपको विश्वास दे दिया। मैने विश्वास दे दिया कि आप की बातें। मैने आपको बोल दिया कि आपकी बात ली जाएगी।

आप बैठिए। अजय दत्त जी विश्वास प्रस्ताव पर... अजय दत्त जी विश्वास प्रस्ताव पर अपना वक्तव्य रखें।

श्री अजय दत्तः गुप्ता जी, पहला मेरा नम्बर आ गया है बैठना पडेगा अब आपको।

माननीया अध्यक्षः विजेन्द्र गुप्ता जी बहुत गलत है।

श्री अजय दत्तः गुप्ता जी, देखो शोभा नहीं देती है ये।

माननीया अध्यक्षः अजय दत्त जी बोलिये।

...व्यवधान...

श्री अजय दत्तः अध्यक्ष जी एक बार बैठा दो।

माननीया अध्यक्षः आप बोलना शुरू करें उन्हें बोलने दें।

श्री अजय दत्तः अध्यक्ष जी मैं आपका धन्यवाद देना चाहता हूं।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः गलत है विजेन्द्र गुप्ता जी मुझे बिल्कुल भी परेशान ना करें। मुझे बिल्कुल इस बात पर मजबूर ना करें।

श्री अजय दत्तः गुप्ता जी ये शोभा नहीं देती आपको ये सब चीजें।

माननीया अध्यक्षः मुझे बिल्कुल मजबूर ना करें। अजय दत्त जी आप बोलना शुरू कीजिए।

श्री अजय दत्तः अध्यक्ष जी मैं आपका धन्यवाद देना चाहता हूं कि आपने मुझे विश्वास मत प्रस्ताव पर बोलने को मौका दिया। आपरेशन लोटस के जो लोग है इन्हें फेल कर दो आप।

माननीया अध्यक्षः अजय दत्त जी आप बोलना शुरू करें। विजेन्द्र गुप्ता जी और जो विपक्ष के साथी बोल रहे हैं उसे रिकार्ड में ना लिया जाए। जिसका नाम लेकर चेयर अलाऊ करे उसी की बातों को रिकार्ड पर लिया जाए। अजय दत्त जी आप बोलना शुरू करें।

श्री अजय दत्तः आज हो स्थिति चल रही है। वो स्थिति बहुत ही गम्भीर है और उन स्थितियों में...

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः आप वैल में आ रहे हैं... बिजेन्द्र गुप्ता जी को पूरे सत्र के लिए, पूरे सत्र के लिए विजेन्द्र गुप्ता जी को बाहर करें। पूरे सत्र के लिए। पूरे सत्र के लिए विजेन्द्र गुप्ता जी बाहर हो, इस बात को रिकार्ड पर लिया जाए। इस बात को रिकार्ड पर लिया जाए पिछले चार दिन से बार-बार निवेदन करने के बाद भी विपक्ष के लोग सहयोग नहीं कर रहे हैं। पूरे सत्र के लिए विजेन्द्र गुप्ता जी को बाहर किया जाए। अजय दत्त जी बोलें।

(माननीया अध्यक्ष महोदया के आदेशानुसार श्री विजेन्द्र गुप्ता को मार्शल्स द्वारा सदन से बाहर किया गया)

श्री अजय दत्तः गुप्ता जी, गुप्ता जी, ये शोभा नहीं देती आपको ऐसी बात। भ्रष्टाचार आप करते हो। भ्रष्टाचार आप करते हो। भ्रष्टाचार आप करते हो।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः मैं बोलने दूंगी बैठिए। मैं भी आपसे हाथ जोड रही हूं। बैठिए। पहले आप बैठकर सीट पर जाकर अपने वक्तव्य को रखें।

(माननीय सदस्य श्री ओपी शर्मा वैल में आ गए)

माननीया अध्यक्षः वैल में आना कोई अच्छी बात नहीं है। आप बैठिए वहां पर। आप वहां बैठिए। बैठिए आप। ओ.पी. शर्मा जी मैं भी पांच दिन से आपसे गुजारिश कर रही हूं और अभी भी आपसे गुजारिश की है। आप सीट पर जाएं। आपको वैल में आना अच्छा लगता है? मैं आपकी सुनूंगी। आप बैठिए। बैठिए। वैल में जाना बहुत गलत है आप बैठ जाइए। बिधूडी जी, रामबीर बिधूडी जी, बिधूडी अपने सदस्य को समझाइए। मुझे बिल्कुल मजबूर ना करें। मैने बोलने के लिए आपको नहीं कहा है इन्हें समझाने के लिए कहा है।

श्री अजय दत्तः शर्मा जी देखो बुढापे में उठाकर ले जाएगें कोई फायदा नहीं है।

माननीया अध्यक्षः आपको बोलने दिया जाएगा आप अपनी सीट पर जाइए। आज पांचवा दिन है आप लोग सहयोग नहीं कर रहे हैं। आप सिर्फ मीडिया फुटेज के लिए आए हैं। सिर्फ मीडिया फुटेज के लिए। आप बैठिए।

श्री अजय दत्तः ये शर्मा जी जनहित विरोधी, दलित विरोधी मानसिकताओं को यहां पर लेकर आएं है। ये अध्यक्ष जी को बोलने नहीं दे रहे हैं।

माननीया अध्यक्षः ओपी शर्मा जी बैठिए। बैठ जाइए। मेरा आपसे निवेदन है। बैठ जाइए। बैठिए। मैं बोलने के लिए आपको समय दूंगी। आप बैठ जाइए।

आप बैठ जाइए। जो चीज कन्टीन्यू चल रही है। जो पिछले दिनों से कन्टीन्यू चल रही है, आप बैठ जाइए। आप बैठेंगे या नहीं बैठेंगे। आप बैठेंगे या नहीं बैठेंगे। तो बैठिए फिर। आपको इजाजत मिलेगी। ओपी शर्मा जी बैठ जाइए। बैठ जाइए। अजय दत्त जी आप बोलिये। अजय दत्त जी बोलिए आप। आप बैठ जाइए। इन्हें बाहर करें। अजय दत्त जी बोलिए।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः अजय महावर जी...

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः श्री जितेन्द्र महाजन जी...

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः ये कोई तरीका नहीं है।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः हां मैंने कहा क्योंकि आप मान नहीं रहे। मान क्यों नहीं रहे हैं, बैठिये आप। आप बैठिये जितेन्द्र महाजन जी।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः जितेन्द्र महाजन जी प्लीज बैठ जाइये, बाहर करिये इन्हें, बाहर करो, बाहर करो इनको पूरे दिन के लिए बाहर करो। मजाक मना रखा है सदन का।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः बस यही करने आता है विपक्ष, विपक्ष बस यही करने आता है, यही करने आता है विपक्ष और विपक्ष कुछ नहीं करने आता है। विपक्ष सिर्फ यहां आकर मीडिया की फुटेज, ड्रामा और सिर्फ अपनी बाइट और पूरा का पूरा प्रदर्शन करने आता है, जनता की आपको कोई चिंता नहीं है। दिल्ली की आपको बिलकुल चिंता नहीं है। दिल्ली के लोगों की आपको बिलकुल चिंता नहीं है।

...व्यवधान...

श्री अभय वर्माः ..व्यवस्था दो।

माननीया अध्यक्षः तो बैठो आप।

श्री अभय वर्माः क्यों नहीं पहले व्यवस्था दो।

माननीया अध्यक्षः आप बैठिये।

श्री अभय वर्माः नियम कानून पढ़ो आप।

माननीया अध्यक्षः आप बैठिये, आप सिखाएंगे कैसे चर्चा होगी। आप सीट पर बैठेंगे या नहीं बैठेंगे।

श्री अभय वर्माः नियम 54 क्या कहता है आप देखो।

माननीया अध्यक्षः ये अभय वर्मा जी को भी पूरे दिन के लिए बाहर किया जाए। अभय वर्मा जी को भी पूरे दिन के लिए मार्शल आउट किया जाए।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः आप लोग बैठिये, सत्ता पक्ष के लोग बैठें।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः अखिलेशपति त्रिपाठी जी, सौरभ भारद्वाज जी, प्रवीण जी बैठिये एक-एक का नाम लिया जाएगा तभी बैठेंगे।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः ये तरीका नहीं है, ये बिलकुल तरीका नहीं है। मैं आपकी बात, सीट से बोलिए, आप सीट से बोलिए। मैं पढ़ूंगी क्या लिखकर दिया है पढ़ूंगी सीट पर बैठिए।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः महावर जी सीट पर बैठिए। बैठेंगे या नहीं बैठेंगे, ये कोई तरीका नहीं है। मैं बिठा रही हूं, बैठिए आप लोग।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः मान ही नहीं रहे हैं जाइये आप बाहर, आप बाहर जाइये। ये आप हंस-हंसकर जो बता रहे हैं न आपकी पीड़ा है। अगर आपको वास्तव में पीड़ा होती, आप हंस-हंसकर नहीं बोलते और इन्हें भी साथ के साथ वाजपेयी जी को भी ले जाइये। अनिल वाजपेयी जी बाहर चलिए, लेकर जाइये अनिल वाजपेयी जी को।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः मैं सत्ता पक्ष के लोगों से निवेदन कर रही हूं।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः एक मिनट, गुप्ता जी बैठ जाइये, आप बैठ जाइये मैंने अलाउ नहीं किया है, आप बैठिये एक बार, आप एक बार बैठिये राजेश गुप्ता जी, बैठिये आप, बैठिये एक बार। अजेश यादव जी बैठ जाइये आपकी कोई बात रिकार्ड पर नहीं आ रही। आज एक-एक करके इन्होंने ये साबित कर दिया कि विधानसभा परिसर सिर्फ इनकी नौटंकी का स्थान बन गया है। ये विधानसभा परिसर में सिर्फ सदन में नौटंकी करने आते हैं, ड्रामा करने आते हैं, जनता के मुद्दों पर और लोगों के मुद्दों पर इनको जरा सी कोई दिक्कत परेशानी नहीं है ये जरा से भी गंभीर नहीं है जनता के विषय पर। अगर आप गंभीर हैं अगर मोहन सिंह बिष्ट जी आप गंभीर हैं तो आप बैठिए और चर्चा में भाग लीजिए। आप ईमानदारी से बैठिये न फिर।

श्री मोहन सिंह बिष्टः आप स्पीकर हैं।

माननीया अध्यक्षः आप बैठें, आपको मुझे ये बताने की जरूरत नहीं हैं मैं कौन हूं।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः ये बात अपनी सीट से भी बोल सकते हैं आप।

श्री मोहन सिंह बिष्टः जो हमने नोटिस दिये उनमें किसी पर चर्चा होनी चाहिए।

माननीया अध्यक्षः किसने मना करा चर्चा करने से, चर्चा करने से आपको मना नहीं किया गया। आपको मना नहीं किया गया चर्चा करने से। आप लोगों से बार-बार सहयोग की गुजारिश की गई आप तनिक भी गंभीर नहीं हैं, जनता

के मुद्दों पर आप तनिक भी गंभीर नहीं हैं। आपने सदन को राजनैतिक अखाड़ा बना दिया है। आपने विधानसभा परिसर को राजनैतिक अखाड़ा बना दिया है, ये सदन राजनैतिक अखाड़ा नहीं है। इस सदन में जनता के मुद्दों पर बात होगी, संविधान के मुद्दों पर बात होगी, कानून के दायरे पर बात होगी और इन्हें पूरे दिन के लिए बाहर किया जाए।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः आप सारे सत्ता पक्ष के लोग बैठें।

श्री मोहन सिंह बिष्टः सरकार को सहयोग...

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः आपने सदन को, आप लोगों ने सदन को, भाजपा के लोगों ने सदन को सिर्फ और सिर्फ नौटंकी का अखाड़ा, राजनीति का अखाड़ा बना रखा है। आप लोग चर्चा करना ही नहीं चाहते, चर्चा करना चाहते तो आप सहयोग करते। अजय दत्त जी अपना वक्तव्य रखें। राजेश गुप्ता जी बैठिये।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः राजेश गुप्ता जी बैठिये, अखिलेशपति त्रिपाठी जी बैठिये और इस वक्त अब सदन में सिर्फ विश्वास प्रस्ताव के ऊपर अजय दत्त जी अपना वक्तव्य देंगे।

श्री अजय दत्तः धन्यवाद अध्यक्षा जी, बहुत देर से विपक्ष के लोगों ने बहुत नौटंकियां की, इस सदन को चलने न देने के लिए कई बार वैल में आए, लेटे, उल्टी सीधी बातें की। ये चर्चा नहीं करना चाहते अध्यक्ष जी, ये सिर्फ

चाहते हैं ड्रामा। इनका काम दिल्ली में ड्रामा बनाना है इनका काम पूरे देश में ड्रामा बनाना है, इनका काम लोगों को भ्रमित करना है, इनका काम सिर्फ ड्रामा, ड्रामा, ड्रामा करना है अध्यक्ष जी यह बहुत दुखद है। आज आपने मुझे confidence motion पर बोलने का मौका दिया, मैं बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के एक वक्तव्य के साथ।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः अजय दत्त जी के बाद।

श्री अजय दत्तः अपना वक्तव्य शुरु करना चाहता हूं।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः बिधूड़ी जी कोई भी शब्द रिकार्ड पर नहीं लिया जाएगा।

श्री अजय दत्तः We are Indian, firstly and lastly बाबा साहब का एक बहुत ही महत्वपूर्ण quote “We are Indian, firstly and lastly and this is absolutely truth because in India we all are born in a free and”…

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः अध्यक्ष जी हमारे विधायकों को आपने सदन से बाहर कर दिया, मैं भी इसके विरोध में सदन से वाक आउट करता हूं।

श्री अजय दत्तः with the बहुत अच्छा किया इन्होंने जाकर। after independence, we all are free and independent, but today in the country it looks to be that the BJP has hostiled the entire country and they are trying to murder political will of the country. They are trying to finish everybody who is part of this country, who is born in this country and

I would also like to tell you the story, a short story of Aam Adami Party as to how Aam Adami came in and what we have done and why there is a need today to prove that every MLA of Aam Adami Party is with Aam Adami Party with Arvind Kejeriwal and what we have done. So, today, if you look at the history of Aam Adami Party, they came from the agitation. We came from, hold on हो गया है We came from the agitation and the agitation was after 70 years of independence in this country people who are not getting what they are supposed to get, they were not getting free education, they were not getting jobs, they were not getting what they supposed to get, the health services, the free water, free electricity and everybody in this country was looted and cheated and they cheated because, because of the corrupt politicians and this politics was run by the congress and BJP and these people have actually, these people have really cheated and that is where the whole country came and that became a big movement and after that the whole country people have chosen to join Aam Adami Party and we chose the honest leader Arvind Kejeriwal and what happened after that, there was a big revolutionary changes, the transformation of education, the transformation of health system, the transformation of electricity. Nobody even thought that the electricity and water in India can be free. Nobody even thought that the government school of India can be reconstituted, can be rebuilt and can produce the best result in the

country and also to demonstrate and show the capability of the Indian and the Delhi schools. Actually the problem starts from here, the problem is not about the party, the problem is about the development and the education system is coming up and the people are getting educated and that is where the Baba Sahab Bhim Rao Ambedkar mission and vision and the constitution come in place. India is running because of the constitution and in the constitution, it is said, "we the people of India" हम भारत के लोग इस देश को प्रभुता संपन्न समाजवादी धर्म-निरपेक्ष गुटनिरपेक्ष गणराज्य घोषित करते हैं everybody casted their vote and power to this constitution and in this constitution also it says, ''हम सभी को आर्थिक, राजनीतिक और समाजिक समानता प्रदान करते हैं।'' अब देखिये इस देश में क्या हो रहा है न तो बोलने की आजादी है, न कमाने की आजादी है, न अपनी राजनीतिक इच्छाओं को या राजनीति के माधयम से लोगों की सेवा करने की आजादी है। बीजेपी ने एक अलग propaganda लगा दिया है they are actually supporting the people who are their friends, they are only growing. What happened to the people if you look at the BJP government in other state in UP, you look at the government in Haryana. You look at the government in other states, if you look at their govt schools, health system, we have witnessed and many of people have seen that they are not running at all, forget about running well. They have been closed, so that is the big issue and Arvind Kejeriwal ji, Aam Adami Party is bringing up big transformation, transformation is bigger

than the changes. Transformation happens from the ... the meaning of transformation happens from the root not only on the supervision level. So, that all is being done by Arvind Kejeriwal. And because of that, the whole country is appreciating and the appreciation… Let me complete you can appreciate once for all,otherwise you will lose the contents...

माननीया अध्यक्षः इस तरह से disturbance न करें बोलने दें उन्हें।

श्री अजय दत्तः yeah, so what happens when the transformation changes happen in India, it has spread not only in India,across the globe and the people from Japan, South Korea, America came. They tested and they say wonderful! wonderful of making 2000 new class rooms, wonderful about happiness curriculum. I appreciate my colleague, our sister who has contributed, Atishi Marlena who has contributed immense time and effort to build education system and also Manish Sisodia ji...

माननीया अध्यक्षः कम्प्लीट करिये, कम्प्लीट करिये।

श्री अजय दत्तः on whom they are basically trying to put him behind the bar ये सब चल रहा है तो इसलिये चल रहा है क्योंकि एजुकेशन सिस्टम अच्छा हुआ, हैल्थ सिस्टम अच्छा हुआ and Mr. Jain, Satyender Jain was put behind bar ये इसलिये हो रहा है क्योंकि the BJP other state govt. is not able to do anything. They are just looting the country. They are looting the people money and giving it to their friends. Giving 10 lakhs crore rupees. Just writing of their cheques, that is it. And when people

are acknowledging this work of Aam Adami Party Arvind Kejeriwal ji, they are afraid, they are shaken up, the evidence of this the Punjab has given 92 seats only because of the education system and health system. And Goa has actually initiated our freedom movement, I would say the two MLAs, evey place of this country is acknowledging Aam Adami Party. So, BJP chief and also Mr. Modi who is our Hon'ble Prime Minister he is shaken up, and that is why he is trying to dissolve Aam Adami Party, they are trying to finish Aam Adami Party and Delhi Govt. It will not happen Mr. Modi ji, Mr. Shah ji and also our Hon'ble political LG sahib. It will not happen. We will not let that happen. हम अपने

माननीया अध्यक्षः कम्प्लीट कीजिये, कम्प्लीट कीजिये।

श्री अजय दत्तः काम छोड़कर अपनी सब कुछ छोड़कर इस पार्टी में आये और इसलिये आये कि देश बदलेगा और यहां रहेंगे इस पार्टी का एक-एक व्यक्ति लोहे के पिलर से भी ज्यादा मजबूत है वो मर जायेगा लेकिन कभी इन लोगों से 20 करोड़ क्या 20 अरब रुपये भी देंगे तभी भी बिकेगा नहीं ये आम आदमी पार्टी का अरविंद केजरीवाल का product है।

माननीया अध्यक्षः बहुत-बहुत धन्यवाद अजय दत्त जी, अजय दत्त जी बहुत-बहुत धन्यवाद बैठिये कम्प्लीट हो गया बैठिये आप।

श्री अजय दत्तः अध्यक्षा जी मैं।

माननीया अध्यक्षः बहुत-बहुत धन्यवाद बैठिये।

श्री अजय दत्तः एक बात और कहना चाहूंगा जब भगत सिंह जी ने इस देश को आज़ाद करने के लिये अपनी कुर्बानी दी और उन्होंने कहा–

"लिख रहा हूं मैं अंजाम जिसका कल आगाज़ आयेगा,

लिख रहा हूं अंजाम जिसका कल आगाज़ आयेगा,

मेरा लहू का हर एक कतरा इन्कलाब लायेगा"

तो हम सभी का लहू का कतरा इन्कलाब ला रहा है।

माननीया अध्यक्षः बहुत–बहुत धन्यवाद, अखिलेश पति त्रिपाठी जी।

श्री अजय दत्तः इसीलिये।

माननीया अध्यक्षः बहुत–बहुत धन्यवाद अजय दत्त जी हो गया।

श्री अजय दत्तः आखरी में बस एक–दो शब्द और इसलिये बीजेपी की सारी लीडरशिप डरी हुई है क्योंकि इन्कलाब गुजरात में आ रहा है, गुजरात में आ रहा है।

माननीया अध्यक्षः चलिये, बहुत–बहुत धन्यवाद।

श्री अजय दत्तः और आखिर मैं में इतना ही कहना चाहूंगा।

माननीया अध्यक्षः अजय दत्त जी बहुत–बहुत धन्यवाद हो गया 10 मिनट से बोल रहे हैं।

श्री अजय दत्तः कि इस confidance motion के साथ हम सब खड़े हुये हैं और जीत रहे हैं ना तो बीजेपी का कोई शख्स और ना कोई भी पावर

आम आदमी पार्टी के एक भी एमएलए को तोड़ सकती है आप हमें 20 करोड़ क्या 20 अरब रुपये दे दें हम उन पर लात मारकर इस देश के लिये अरविंद केजरीवाल जी के लिये और आम आदमी पार्टी के लिये कुर्बान हो जायेंगे, भारत माता की जय।

माननीया अध्यक्षः बहुत–बहुत धन्यवाद, अखिलेश पति त्रिपाठी जी।

श्री अखिलेश पति त्रिपाठीः धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, आज विश्वास मत पर बोलने के लिये आपने अवसर दिया। मैं देख रहा था सुबह से विपक्ष के लोग जिस तरीके से आचरण कर रहे थे, सदन की गरिमा को गिरा रहे थे बड़ा दुःख हो रहा था। आप बार–बार कह रही थीं कि विश्वास मत पर चर्चा हो, वो भी participate करें, कुछ कहें लेकिन विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं था और उनको बहाना चाहिये था वो चले गये। आज पूरा देश देख रहा है पूरी दिल्ली देख रही है कि किस तरीके से भारतीय जनता पार्टी पूरे देश में एक नये तरीके का संविधान लिखने का कोशिश कर रही है। बाबा साहब भीमराव अम्बेडर ने जब संविधान लिखा था तो लिखा था कि सत्ता की पूंजी जनता के हाथ में होगी, जनता जो अपने प्रतिनिधियों को चुनेगी और वो प्रतिनिधि मुख्यमंत्री बनायेंगे, मंत्री मंडल का गठन होगा और सरकारें चलेंगी लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने एक नया thesis लेकर आई है वो कहते हैं जहां सरकार जनता नहीं चुनेगी वहां हम सरकार जरूर बनायेंगे और जहां चुनेगी वहां तो बनायेंगे बनायेंगे और जहां सरकारें जनता नहीं चुनेगी वहां तो जरूर ही बनायेंगे, वहां जरूर बनायेंगे तो हम लोगों ने पूछा भई कौन सा ऐसा thesis है कि जहां जनता नहीं चुनेगी आपको लोकतंत्र के सिद्धांत के हिसाब से वहां सरकार नहीं बन सकती आपका। ऐसा कौन सा जादू की छड़ी है जिससे आप सरकार बना

लेते हैं जरा बताईये तो आज एक नया कॉन्सेप्ट पूरे देश में चर्चा में है ऑपरेशन लोटस, एक नया सिद्धांत है। जहां सरकार को जनता चुने ना, जहां भारतीय जनता पार्टी को रिफ्यूज़ कर दे वहां कहते हैं हमारे पास ऑपरेशन लोटस है तो बोले ये ऑपरेशन लोटस क्या है ये बोले पहला उसका चरण है तीन चरण में काम करता है ये। पहला चरण है कि विपक्ष के लोगों को डरायेंगे जो डर गये उनको अपने में शामिल करा लेंगे और एक वॉशिंग मशीन भी लगा रखा है उन्होंने जितने करप्ट लोग होंगे उनको उस वॉशिंग मशीन में डालेंगे और उनका चरित्र हैं, हां निरमा पाउडर डालकर वो बिल्कुल उनका कैरेक्टर बढ़िया हो जायेगा चाहे वो हेमंता विश्व शर्मा जी हों, चाहे मुकूल राय जी हों।

माननीया अध्यक्षः रोहित जी।

श्री अखिलेश पति त्रिपाठीः चाहे नारायण राणे जी हो तमाम उदाहरण ऐसे आपके सामने हैं अध्यक्षा महोदया। पहले ये उन्हीं लोगों पर आरोप लगाते थे भारतीय जनता पार्टी के लोग अब इनकी पार्टी में आ गये तो कहते हैं नहीं जी इनको हमने धुलाई कर दी है गंगाजल से पवित्र कर दिया है, अभी पीछे कह भी रहे थे कि जाकर के गांधी जी के समाधि को पवित्र करने का काम करेंगे। ये किस दुनिया में जी रहे हैं लोग, अभी भी छुआछूत को मानते हैं लोग, कह रहे हैं गंगा जी के जाकर के समाधि को पवित्र करेंगे। देश के एक-एक लोगों को गांधी जी की समाधि पर जाने का हक है इन भारतीय जनता पार्टी वालों के पास नहीं है। इन्हीं लोगों ने ये नाथू राम गोडसे को मानने वाले लोग जाकर के गांधी जी के समाधि पर मथ्था टेकते हैं इनको शर्म नहीं आती। ये नाथूराम गोडसे के अनुयायी जिन जो उनके जिंदाबाद का नारा लगाते हैं इनके सांसद लगाती हैं और फिर जाकर गांधी जी के समाधि पर मथ्था टेकते

हैं किस मुख से जाते हैं। ये देशभक्ति का पाठ पढ़ाते हैं पूरे देश के लोगों को। 70 सालों तक इनके मात्री संस्था के मुख्यालय पर भारत माता का तिरंगा झंडा नहीं लगाया गया और ये तिरंगे झंड़े की बात करते हैं भारतीय जनता पार्टी के लोग। आज पूरा देश देख रहा है जब-जब ये अपना कीचड़ भ्रष्टाचार का कीचड़ फैलाने की कोशिश करते हैं पूरे देश में अश्वमेघ यज्ञ लेकर घुमते हैं अपना घोड़ा, दिल्ली में आकर के अरविंद अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में वो घोड़ा इनका रूकने का काम होता है क्योंकि यहां पर झाडू है। याद रखो भारतीय जनता पार्टी के लोगो यहां पर झाडू है और झाडू का काम है जब-जब आप भ्रष्टाचार का कीचड़ फैलाने की कोशिश करोगे तो उसको साफ़ करने का काम करेगा, आपका कमल का फूल दिल्ली में खिलने वाला नहीं है और जहां-जहां भी आदरणीय अरविंद केजरीवाल जी का झाडू पहुंचेगा आपके कीचड़ और गंदगी का साफ करके कमल के फूल को खिलने से रोक देगा यही आपको घबराहट है पूरे देश में।

माननीया अध्यक्षः पूरा कीजिये।

श्री अखिलेश पति त्रिपाठीः आज आदरणीय अरविंद केजरीवाल का झाडू पूरे देश में पहुंच रहा है। पहले दिल्ली में पहुंचा, पंजाब में पहुंचा अब इनको घबराहट हो गई है गुजरात में पहुंच गया है इनकी गंदगी साफ होने वाली है। कमल का फूल कीचड़ में खिलता है कीचड़ अब साफ होने वाला है तो कहते हैं दिल्ली में भी ऑपरेशन लोटस करेंगे। अरे ऑपरेशन लोटस करने आये हो 2013 में भी प्रयास किया था आप लोगों ने 28 लोग थे हम लोग चुनकर आये थे, बहुत साधारण घर के लोग थे सब लोग, वहां भी आप लोग सफल नहीं हुये थे और आज आप फिर 12-12 लोगों को एपरोच करने की कोशिश

किये हैं एक भी आदमी अरविंद केजरीवाल जी का सिपाही बिकाऊ नहीं है याद रखना। देश पर मर मिटेगा, देश की शिक्षा के लिये, देश की चिकित्सा व्यवस्था के लिये अच्छा करने के लिये, देश में जो बदलाव का एक माहौल आदरणीय केजरीवाल जी के नेतृत्व में जो लोग महसूस कर रहे हैं, आज उसके लिये हम लोग न्यौछावर करने के लिये तैयार हैं अपने आपको। आप कितना भी प्रयास कर लीजिये एक लोग भी टूटने के लिये तैयार नहीं है।

माननीया अध्यक्षः चलिये, बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अखिलेश पति त्रिपाठीः इसलिये हम लोग संकल्प लेते हैं।

माननीया अध्यक्षः त्रिपाठी जी।

श्री अखिलेश पति त्रिपाठीः कि आज की पहली सरकार है जिसने कहा कि भारतीय जनता पार्टी वालो देख लो ये पहला विश्वास मत होने जा रहा है जिसमें whip जारी नहीं हुआ है। ये सबसे बड़ी ऐतिहासिक बात ये भी है अध्यक्षा महोदया इसमें कि हमारे Chief whip ने कोई whip नहीं जारी किया है बिना whip के आज विश्वास मत पर चर्चा हो रहा है और अभी जब वोटिंग होगी तो जितने के जितने सदस्य हमारे अब आम आदमी पार्टी के हैं वो सारे के सारे अपने स्वेच्छा से वोट आम आदमी पार्टी के साथ करके आदरणीय अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में विश्वास जताने जा रहे हैं और पूरा देश इस नेतृत्व को स्वीकार करने को तैयार है अध्यक्षा महोदया मैं आपको बहुत धन्यवाद देता हूं आज आपने सदन में चर्चा करने का मौका दिया मैं एक चंद शब्दों में कह कर के समाप्त करूंगा कविता के माधयम से "जुल्मी जितना जुल्म करेगा सत्ता के हथियारों से ज़र्रा-ज़र्रा गूंज उठेगा इन्कलाब के नारों से"। आप जूल्म करिये

भारतीय जनता पार्टी वालों आप जुल्म करिये, आप सीबीआई भेजिये, आप ईडी भेजिये, आप आईटी भेजिये आप एसीबी भेजिये, आप पुलिस भेजिये, आप किसी को भी भेज लीजिये आम आदमी पार्टी के लोग ईमानदार लोग हैं आपके इस बंदर घुड़की से डरने वाले लोग नहीं हैं एक-एक लोग इन्कलाबी लोग हैं और सीना तानकर खड़े हैं जांच करा लो लेकिन अगर तुम्हारी जांच होती तो इतनी घबराहट क्यों होती है आप लोगों को भाई।

माननीया अध्यक्षः चलिये, बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अखिलेश पति त्रिपाठीः ये शिक्षा देते थे।

माननीया अध्यक्षः त्रिपाठी जी, बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अखिलेश पति त्रिपाठीः अब जांच हो रही है तो घबराहट क्यों है।

माननीया अध्यक्षः अखिलेश त्रिपाठी जी।

श्री अखिलेश पति त्रिपाठीः चोर के दाढ़ी में तिनका, पूरा दाल काला है और जो ये ऑपरेशन लोटस है उसकी जांच होना चाहिये 63 सौ करोड़ रुपया कहां से आया उसके बारे में पूरे देश को पता चलना चाहिये ये मैं आपसे मांग करता हूं बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीया अध्यक्षः राजकुमार आनंद जी।

श्री राजकुमार आनंदः धन्यवाद अध्यक्षा महोदय, आज जो बीजेपी कर रही है ये बेहद अलोकतांत्रिक है और हमारी जो आम आदमी पार्टी है ये डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर को आदर्श मानकर उनको mentor मानकर दिल्ली और पंजाब में सरकारें चला रही है और जिसकी चमक और जिसका जो मॉडल

है वो पूरे देश में उसकी धमक है आज और उसकी वजह से बीजेपी विचलित होकर ऑपरेशन लोटस हर राज्य में चलाने की कोशिश कर रही है और अभी पिछले दिनों हमारे विधायकों को भी 20–20 करोड़ रुपये का लालच देकर खरीदने की कोशिश की गई। अध्यक्ष महोदया, मैं आपको इतिहास की एक बात बताना चाहता हूं कि जब वोट देने का अधिकार की बात हुई तो डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर ने आम जन को वोट देने का अधिकार दिलवाया। आज आम आदमी पार्टी उनके आदर्शों पर चलती है उनको mentor मानती है और जिसको बीजेपी mentor मानती थी वो सब इसके पक्ष में नहीं थे वो सब कहते थे कि income tax payee को वोट देने का अधिकार हो सिर्फ इन्कम टैक्स जो देते हैं उनको वोट देने का अधिकार होना चाहिये या उन लोगों को वोट देने का अधिकार होना चाहिये जो ज़मीदार हैं। वो व्यवस्था आज ये पुनः लाना चाहते हैं, वो व्यवस्था आज ये फिर लाना चाहते हैं अपने दोस्तों के माधयम से जो किसी टाइम में ज़मीदार हुआ करते थे, पिछले टाइम जो इन्कम टैक्स दिया करते थे। डी/संजय बहुत कम लोग। आज वही इनके यार–दोस्त हैं जिनके पैसे के थ्रु ये विधायक खरीद कर और राज्यों की सरकारें तोड़ना चाहते हैं तो ऐसे लोग जो वीर सावरकर को अपना आदर्श मानते हैं। इनसे इस देश के लोकतंत्र को बहुत खतरा है और डॉ0 बाबा साहब अम्बेडकर और तमाम् उन लोगों को जिन्होंने इस देश की आजादी में, आजादी में और इस देश को बनाने में आहूति दी, अपना सब कुछ न्यौछावर किया, उनके लिए ये लोग खतरा हैं तो ऐसे लोगों को जो भविष्य आने वाला, हमारी पीड़ियां हैं आने वाली, ये कभी माफ नहीं करेंगे।

जहां तक शिक्षा की बात है। डॉ0 अम्बेडकर का पहला सूत्र था। आज मैं क्यों हूं, मैं आम आदमी पार्टी में क्यों हूं। आज मैं कोई नेता नहीं हूं। लेकिन आम आदमी पार्टी में होने के पीछे मेरा कारण यही है कि जैसे डॉ0 अम्बेडकर शिक्षा की बात किया करते थे, वो हमेशा कहा करते थे कि शिक्षित बनो। शिक्षित बनने से क्या होता है कि हम जातिवाद से जूझते रहे। तीन हजार, चार हजार सालों तक हम जातिवाद से जूझते रहे। डॉ0 अम्बेडकर कहते थे कि कोई शिक्षित आदमी जातिवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा। कोई भी शिक्षित आदमी आज जातिवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा। ऐसा मानकर वो हमेशा शिक्षित होने की बात किया करते थे और उसके बाद शिक्षित आदमी होगा तो वो अपना कारोबार करेगा। गरीबी, आर्थिक समताएं देश में आएंगी। उसी शिक्षा को लेकर आज अरविन्द केजरीवाल जी दिल्ली मॉडल को, पंजाब मॉडल को लेकर आगे बढ़ रहे हैं और शिक्षा की जब बात होती है तो आज दिल्ली के स्कूल भारत में ही नहीं, संसार में सराहे जाते हैं और जब सराहे जाते हैं संसार में जब न्यूयॉर्क टाइम्स में ये बातें छपती हैं तो बीजेपी वालों को बहुत दुख होता है और उस दुख के कारण, उस बौखलाहट में ये तरह तरह के इल्जाम हमारे मंत्रियों पर, हमारे मुख्यमंत्री पर, हमारे एमएलए पर ये लगाया करते हैं और जैसे शिक्षा है वैसे स्वास्थ्य है, वैसे परिवहन हैं। तमाम् जो सुविधाएं जिसको ये मुफ्त की रेवड़ियां कहते हैं अध्यक्षा जी, वो रेवड़ियां नहीं हैं, वो डाक्टर अम्बेडकर जब संविधान सभा में बोल रहे थे। वो कह रहे थे आज मैं वोट का अधिकार तो तुम लोगों को दे जाऊंगा, लेकिन आर्थिक समानता इस देश की सरकारें नहीं ला पाएंगी, ये मुझे बहुत अफसोस रहेगा और आज तक ला भी नहीं पाए 75 सालों में, 75 सालों में राजनीतिक दल आते रहे, जाते रहे लेकिन किसी ने भी आर्थिक समानता

की बात नहीं सोंची। आज अरविन्द केजरीवाल जब आर्थिक समानता की बात सोंचते हैं तो इनको बौखलाहट होती है। ये अरविन्द केजरीवाल को कल की मैं डिबेट देख रहा था। शर्मा जी बता रहे थे कि दिल्ली की विधान सभा को भंग कर देंगे तो इस तरह की बातें सोंचते हैं तो भाजपा एक अलोकतांत्रिक पार्टी है, इसमें जो नहले, दहले हैं अमित शाह और नरेन्द्र मोदी जी, ये देश को बर्बाद करने पर तुले हुए हैं। इसके अलावा ये कुछ नहीं कर रहे हैं।

माननीया अध्यक्षः कंप्लीट कीजिए।

श्री राजकुमार आनंदः इनको अवैध सरकार घोषित कर देनी चाहिए । केन्द्र की सरकार को अवैध घोषित करना चाहिए। मैं तो यही कहता हूं। बहुत बहुत धन्यवाद।

माननीया अध्यक्षः जरनैल सिंह जी।

श्री जरनैल सिंहः अध्यक्ष जी, दिल्ली दे मुख्यमंत्री, श्री अरविन्द केजरीवाल जी वल्लो 29 अगस्त नूं प्रस्तुत एक बहुत ही गंभीर प्रस्ताव ते चर्चा करन लई, जो तुसी समा मैन्नु दिता उस दे वास्ते बहुत बहुत धन्यवाद। अध्यक्ष जी, असी वेख रहे हां कि जदों तो बीजेपी सेंटर दी सरकार विच आई है इस देश विच एक नवां सिस्टम शुरू हो गया है। वड्डे-वड्डे होर्डिंग लाये सी कि जी अच्छे दिन आयेंगे। ते अज बड़े दावे दे नाल पूरे भारत विच ऐह केहंदे ने कि वोट से नहीं बनी तो नोट से सरकार बनाकर दिखाएंगे, हमारे तो अच्छे दिन ऐसे ही आयेंगे। जो लोकतंत्र द गला हर दिन इस देश विच घोटया जा रेहा, जिद्दा द मेरे तो पहला वी साथियां ने केहा कि कंस्ट्टियूशन ने सानूंवोट दा अधिकार दित्ता सी। वोट दे के चुनी हुई सरकार नूं नोटा नाल गिराना, मैंनू लगदा इस

देश नाल गद्दारी किती जा रही इस देश नाल धोखा किता जा रेहा, जिस दे वासते देश बीजेपी नूं कदी माफ नहीं करेगा। अज इत्थे बीजेपी वाले नहीं बैठे पर सुन रेहे होणगे मैंनू लगदै। 1993 विच जद्दो ऐह दिल्ली असेम्बली दोबारा होंदविच आई ते दिल्ली वालों ने सब तों पहला मौका बीजेपी नूं ही देता। तीन मुख्यमंत्री सरकार दे अंदर बने। 1993 तों 1996 तक स्वर्गीय मदन लाल खुराना जी इस दिल्ली दी सरकार दे मुख्यमंत्री बने। 96 तों लेके 98 तक साहब सिंह वर्मा जी दिल्ली दे मुख्यमंत्री बने। ते अखिर विच जांदे जांदे तीन महीने वास्ते सिर्फ सुषमा स्वराज जी नूं मुख्यमंत्री बनाया गया। ऐ हून भावें सारे मुख्यमंत्री इस दुनिया विच नहीं हैगे पर एक चीज मैं कहना चाहुंदा कि ये बीजेपी दे कम करन दा सिस्टम दिल्ली वालयां ने वेखया वी ये सरकार चलाने विच्च गंभीर है ही नहीं। पांच सालों विच तीन बारी मुख्यमंत्री बदल देना ऐह केड़ा सिस्टम होंदा है, मतलब आपसी तालमेल है ही नहीं। आपसी जिद्दा साड्डे नेता पक्ष बिधूड़ी जी होंन, पूर्व नेता विपक्ष गुप्ता जी होंन आज वी झगड़ा चलदा रेहंदा है। नेता विपक्ष ओह ने दिखांदे ऐ रेहेंदे ने भी मैं तेरे तो जायदा काबिल हैगा। ऐही दौड़ तां भी चलदी सी, कि लोका दे काम नहीं होये। 1998 विच दिल्ली दे लोका ने बीजेपी नूं इक सजा सुनाती, जिवें उम्र कैद दी सजा हुंदी है न कि भई ताउम्र उम्र कैद। आज तो बाद अस्सी तुहानू दिल्ली विच सरकार बनानी नी देनी है, दिल्ली वालों ने फैसला कर लिया। उम्र कैद वी मैं हुणें वकील साहब नाल गल कर रेहा सी कि कई किस्म दी होंदी है। कोई चौदह साल दी होंदी है, कोई बीस साल दी होंदी है। ते बहुत ज्यादा जे सख्त सजा देनी होवे ते सारे जिंदगी दी उम्र कैद भी दे दित्ती जांदी है। दिल्ली वालों ने बीजेपी नू वेख के बीजेपी दी कारज प्रणाली वेख के 1998 विच ही बीजेपी ने ताउम्र

उम्र कैद दी सजा सुना दित्ती सी, जो आज तक बरकरार है। 1998 विच दोबारा इलेक्शन होंदे ने ऐह 49 सीटां तों सीधा 14 सीटा ते आ जांदे ने। 2003 विच फिर इलेक्शन होंदे ने, फिर 19-20 सीटा ते आ जांदे ने। आठ विच इलेक्शन होंदे ने, फिर 24 सीटा ते आं जांदे ने। हुन 15 साल दी एंटी incumbencyns बाद जे बीजेपी वाले दोषी ने ते कांग्रेस भी इक्कवल दोषी है। 15 साल कांग्रेस दा एक भ्रष्ट सिस्टम देखण तो बाद बीजेपी नू लगया के हुनतां साडा रास्ता बिल्कुल क्लीयर है। विच कमल दे अगे फिर झाड़ू ले के फिर खड़ा हो गया एक नवां देश द सुपुत्र जिदे बारे मैं जरूर कहना चांवांगा:-

''कि जिसको तूफानों से उलझने की आदत हो मासीम,

ऐसी किश्ती को समुंदर भी दुआ देते हैं।''

आज पूरा देश वेख चुकया है कि 2013 तों लेके आज तक किस तरीके अरविंद केजरीवाल ते पूरी आम आदमी पार्टी ऐना ने जिन्ने मरजी आंधी तुफान सितम साड्डे ते कर लये आम आदमी पार्टी दा एक एक बंदा इस सदन विच एक एक सड्डा बैठा साथी मैं पूरे फखर ते पूरी जिम्मेवारी नाल ऐ गल कह रेहा एडी-चोटी दा जोर ला लेया अध्यक्ष जी इक बंदा वी हिल्या नहीं, जिन्ना मरजी इन्नाने कोशिश कर ली आज ऑपरेशन लोटस दिल्ली विच पूरी तरह जे फेल होया है, ये सारे साथियों दी वजह करके होया है। एक एक साथी बधाई दा पातर है क्योंकि बहुत वड्डा कम असी वेख्या किस तरीके नाल इन्होंने अरूणाचल प्रदेश विच, किस तरीके मणीपुर विच, किस तरीके गोवा विच, मेघालय विच, कर्नाटका विच, देश दे अलग अलग सुबया विच नोट देके, पैसे देके, डरावा देके इक संवैधानिक तरीके नाल चुनी हुई सरकार नूं गिराया पर दिल्ली विच

आंदिया ही ऐह सारा ऑपरेशन लोटस इन्नादा फेल हो गया। ए नहीं होया कि इत्थे कोशिश नहीं हुई, हर मुमकिम कोशिश दिल्ली विच विधायकों नू तोड़न वास्ते किती गयी, हर डरावा दिता गया आज भी साड्डे साथी इस डरावे दा इस ऐनां दे शोषण दा सामना कर रेहे ने पर डिग नहीं रहे, कोई इन्ना दे शोषण अगे झुक नहीं रेया, इस चीज वास्ते सारे साथी बधाई दे पातर ने।

अध्यक्ष जी, आज फिर 2014 तों बाद 19 विच इलेक्शन हों जांदे ने। कोई ऑप्शन नहीं सी कांग्रेस तों सारा देश फ्स्टेटेड सी दोबारा मौका मिल जांदा। जब तक आम आदमी पार्टी दिल्ली सी इन्ना नू खास चिंता नहीं सी पर जिद्दा ही पंजाब विच 2022 सरकार बनदी है ऐनादी रात दी नींद उड़ जांदी है। 2022 तो बाद हर तरीके दी कोशिश कर रहे ने वही ऐना दा मॉडल अगे वदी जा रेहा है, लोका नू तां ऐही चाहीदा सी कि आम लोकां दी की जरूरतां ने, लोका नू चंगे स्कूल चाहीदे है, लोका नू चंगी एजूकेशन सिस्टम चाहीदे है, लोका नू बेरोजगारी तो राहत चाहीदी है, लोका नू इक ईमानदार गवर्नेंस चाहीदे है, जो सिर्फ ते सिर्फ इस देश विच कोई दे पा रेहा है, ते आम आदमी पार्टी अरविंद केजरीवाल दा मॉडल दे पा रेहा है।

अध्यक्ष जी, इस मॉडल नू पूरे देश विच इना पसंद कीता जा रेहा है कि दिल्ली तों बाद पंजाब ते पंजाब तों बाद हुण हिमाचल है, भावें गुजरात है, आज पूरे भारत दा इक इक बंदा चाहुंदा कि साड्डे देश विच वी आम आदमी पार्टी साड्डे सूबे विच वी आम आदमी पार्टी दी सरकार होवे, जे इक इक करके सारे सुबियां विच आम आदमी पार्टी दी सरकर बन गयी, तो 2024 दे अंदर केन्द्र दी सरकार विच अरविंद केजरीवाल जी नू जान तों कोई नहीं रोक सकदा, ऐह डर इना दे डर दा कारण सारा बनया होया है। ऐ केजरीवाल मॉडल इना

दे डर दा कारण बनया होया है, ते जिस तरीके नाल ऑपरेशन लोटस दा दिल्ली विच धवस्त कितागया ओदे वास्ते साड्डा इक इक साथी बधाई दा पातर है ते मैं सारे साथिया नू ऐह कहना चाहुंदा किऐ लड़ाई बहुत लम्बी है। सानू सब नू बहुत हौंसला रखना पैणा, मैं दो लाइना कहके क्योंकि हौंसले उत्ते ऐह लाइना ने ते मैं अपनी गल खत्म करांगा कि:

लोहा जितना तपता है, उतनी ही ताकत बढ़ता है,
सोने को जितनी आग लगे, वो उतना प्रखर निखरता है,
हीरे को जितनी धार लगे, वो उतना खूब चमकता है,
मिट्टी का बर्तन पकता है, तो धुन पर खूब खनकता है,
सूरज जैसा बनना है, तो सूरज जितना जलना होगा,
और हम आदम के बेटे हैं, क्यों सोचें राह सरल होगा,
और हम आदम के बेटे हैं, क्यों सोचें राह सरल होगा,
कुछ ज्यादा वक्त लगेगा पर, संघर्ष जरूर सफल होगा,
हरेक संकट का हल होगा, आज नहीं तो कल होगा।।

थैंक्यू अध्यक्ष जी।

माननीया अध्यक्ष: बहुत बहुत धन्यवाद जी। मदन लाल जी।

श्री मदन लाल: अध्यक्षा जी आपने मुझे इस मौका पर बोलने का अवसर दिया। ऑपरेशन लोटस फेल हो गया। बीजेपी को जहां कहीं कहीं किसी राज्य में लोगों ने चुनकर अपना प्रतिनिधित्व दिया और चूंकि उनकी भूख शांत नहीं

हुई, इसलिए उन्होंने और बहुत सारे राज्यों में सरकार के या तो एमएलए खरीदे या सरकार गिराकर अपनी सरकार बनाई। हम सब जानते हैं कि बीजेपी की पुरानी tactics है। लगातार अपने प्रयत्नों से दिल्ली की सरकार को डिस्टेब्लाइज करने के लिए उन्होंने हर संभव प्रयत्न किये । 2013 में जब पहली बार दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी, तो 2014 में अरविन्द केजरीवाल जी ने जो लोगों को सबसे बड़ी समस्या से छुटकारा दिलाया, वो थी करप्शन की। एक ऐसा माहौल क्रिएट हो गया पूरी की पूरी दिल्ली कि लोग करप्शन के खिलाफ चारों तरफ आवाज बुलंद करके इस सरकार के साथ खड़े हो गये। बिजली और पानी मुफ्त कर दी गयी। यही कारण था कि केवल बीजेपी तो घबराई घबराई साथ में कांग्रेस साथ देने वाली पार्टी भी हम पर पलट वार करने लगे।

2014 में बीजेपी ने हमारे एमएलए को खरीदने की कोशिश शुरू कर दी। उसका उस समय का एक उदाहरण मैं भी हूं। मुझे 20 करोड़ रुपया की ऑफर दी गयी और साथ ही साथ कहा गया कि अगर अपने साथ नौ लोग और जोड़ोगे तो आपको डिप्टी सीएम भी बनाया जा सकता है। यह प्रलोभन था, अरविंद केजरीवाल जी की सरकार को गिराने का परंतु शायद उनको नहीं पता था कि हम लोग यहां सत्ता भोगने नहीं बल्कि सत्ता में जनता की भागदारी लाने के लिए बने थे। मैंने वो प्रलोभन ठुकरा दिया, उसके तुरंत बाद ही, माननीय एमएलए साहिबांबंदना कुमारी जी हमारे यहां बैठी हैं, एक एडवोकेट उनके घर गया और उन्हें प्रलोभन दिया। इन्होंने पार्टी में रिपोर्ट की। मैंने रिपोर्ट इसलिए नहीं की कि जिसके यहां बात हो रही थी, वो मेरा दोस्त था। उसे लग रहा था कि बहुत इंर्पोटेंट लोग मुझसे बात करना चाहते हैं, इसलिए उन्हें इनवाइट

कर दिया था। जब बात हुई और जो लेके आया था, वो भी मेरा मित्र था उसे भी नहीं पता था कि जो आने वाले लोग हैं, वो एमएलए को खरीदने की कोशिश करेंगे या एमएलए को खरीदने का ऑफर देंगे। मुझे उस समय अच्छा नहीं लगा, मैं उनके खिलाफ शिकायत करूं परंतु बंदना कुमारी जी चूंकि उस एडवोकेट को नहीं जानती थी, मैं एडवोकेट को जानता हूं पटियाला हाउस में वकालत करता था। एक बार बात-बात में मुझसे भी उसने बात की थी। संजय पालीवाल अगर आपको याद होगा। बंदना कुमारी जी ने उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज करायी। इसी संदर्भ में एक और कांग्रेस के लीडर जो बाद में बीजेपी में शामिल हो गये, दिनेश मोहनिया जी के यहां जा पहुंचे। उनसे बात की तब तक पार्टी सतर्क होने लगी थी। दिनेश मोहनिया जी ने वो स्टिंग किया और स्टिंग करके वो बात पार्टी तक पहुंचाई, पुलिस में शिकायत हुई, कंप्लेंट हुई और उसके बाद न जाने और कितने लोगों को उन्होंने प्रलोभन दिया और हमारी पार्टी के लोग चूंकि सत्ता भोगने नहीं, बल्कि सत्ता में सबकी साझेदारी दिलाने के लिए आए थे, ये नहीं टूटे।

2015 में दोबारा सरकार बनी। 2015 के बाद चूंकि बीजेपी को लग गया कि ये एमएलए प्रलोभन में नहीं आएंगे तो एक के बाद एक लगातार केस हमारे एलएलए पर चाहे इस बहाने या चाहे उस बहाने इन्होंने लगाने शुरू कर दिये कि शायद उससे घबराकर ही सही ये लोग आम आदमी पार्टी को छोड़ देंगे और जैसा हमने आज के संदर्भ में देखा है जहां जहां बीजेपी ने किसी के खिलाफ सीबीआई और ईडी लगाई है, उस समय कहते सुना कि ये लोग करप्ट हैं, बेईमान हैं, गबन किया है, देश के दुश्मन है परंतु जैसे ही ईडी और सीबीआई के नेट में आने वाले लोग बीजेपी में गए, बीजेपी की वाशिंग मशीन

ने उन्हें धो दिया और उसके बाद वो ईडी और सीबीआई का काम सारा बंद हो गया।

यहां अब भी यही लालच है। 2015 में हमारे लगभग 50 एमएलए पर केस दर्ज हुए। लगभग 200 केस हमारे लोगों पर दर्ज हुए। अब तक लगभग डेढ़ सौ केस खत्म हो गये, हमारे एमएलए बरी हो गये परंतु ये सिलसिला थम नहीं रहा है। उसी कड़ी में अगर आप देखें तो हमारे डिप्टी सीएम साहब या मैं कहूं सतेन्द्र जैन साहब, जिन्होंने अपने रहते हुए सबसे ज्यादा अच्छा काम किया बतौर हैल्थ मिनिस्टर।

ये हिन्दुस्तान का पहला कंसेप्ट था मोहल्ला क्लीनिक का, ये पहला कंसेप्ट था कि सरकारी अस्पतालों में सारी दवाई, सारे डाक्टर्स फ्री ईलाज करेंगे और अगर किसी सरकारी अस्पताल में 30 दिन तक ईलाज नहीं होता तो सरकार के खर्चे पर प्राईवेट अस्पताल का ईलाज भी सारा का सारा मुफ्त कराया जाएगा। एक और सबसे ज्यादा बड़ी बात हुई कि यहां गरीब और अमीर का जो गैप है उसको केजरीवाल साहब की सरकार ने खत्म कर दिया। जो भी सरकारी अस्पताल जाएगा, अगर 30 दिन में पूरा ईलाज संभव नहीं है तो चाहे वो कितना ही अमीर हो, कितना ही गरीब हो, उसको ईलाज मुफ्त मिलेगा। इस कंसेप्ट को नक्शे पर उतार के प्रैक्टिकल जमीन पर उतारने का काम, जिस शक्स ने किया आज वो बीजेपी की उस नीति का शिकार है, जिसके रहते हुए वो हर आदमी को डराकर सत्ता पर काबू करना चाहती है, कब्जा करना चाहती है। अब उसके नये शिकार हमारे माननीय उप-मुख्यमंत्री जी बन रहे हैं।

पहले शराब नीति का घोटाला, जब शराब नीति में कुछ नहीं निकला, घर में कुछ नहीं निकला, लॉकर में कुछ नहीं निकला तो एक नया शगुफा छोड़

दिया जी स्कूलों में बेईमानी हुई है, स्कूल के क्लास रूम्स में बेईमानी हुई है और आज के दिन भी अगर आप देखें तो उनको लालच दिया कि उन्हें सीएम बना सकते हैं, अगर वो अपने साथ और लोगों को जोड़ लें। परंतु, वो भूल गये कि डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया जी यहां सीएम या डिप्टी सीएम बनने नहीं आए वो तो लोगों की सेवा करने के मकसद आए थे। ये वो क्रांतिकारी लोग थे, जिन्होंने अपने सब काम छोड़े और देश सेवा और पब्लिक सेवा के लिए यहां आकर न केवल पब्लिक को रिप्रजेंट करने की सोची बल्कि इतने बढ़िया काम करने शुरू कर दिये कि आज दुनिया में जो कोई लोग भी हिन्दुस्तान आते हैं या हिन्दुस्तान की चर्चा कभी होती है तो वो एप्रिसियेट करते हैं कि दिल्ली गवर्नमेंट में कोई सरकार चल रही है आम आदमी पार्टी की, जो इतने बढ़िया काम कर रहे हैं और टाइम्स ऑफ इंडिया वर्ल्ड का सबसे ज्यादा बढ़िया और सबसे ज्यादा इंर्पोटेंट न्यूज पेपर अगर उसके फंट पेज पर कोई खबर छपती है, जिसके लिए लोग तरसते हैं। न्यूयार्क सॉरी, 'न्यूयार्क टाइम्स', 'न्यूयार्क टाइम्स' और उसी के लिए लोग कहते हैं कि ये तो शायद प्रायोजित था, शायद ये जानबूझ कर छपवाई हुई खबर है तो बीजेपी के पास तो बहुत सारे पैसे हैं, कांग्रेस के पास तो उससे ज्यादा पैसा रहे, उनकी क्यों नहीं छप गई न्यूयार्क टाइम्स में। E./RK उनके स्कूलों को क्यों नहीं एप्रिसिएट कर दिया। उनके शिक्षा मंत्री का वर्णन क्यों न कर दिया और हिन्दुस्तान के किसी भी अखबार ने, किसी भी टेलीविजन ने आज दिन तक किसी भी राज्य सरकार के स्कूल के शिक्षा मंत्री या वहाँ के हेल्थ मिनिस्टर की कभी चर्चा नहीं की है कि उन्होंने कोई एक अनोखा काम कर दिया है कि लोगों को मुफ्त चिकित्सा और मुफ्त शिक्षा देने की कोई योजना अपने राज्य में चालू की। आज हम कांफिडेन्स मोशन पर

चर्चा में शामिल है। बीजेपी लगातार हमारे एमएलएज को खरीदने की कोशिश कर रही है। चार एमएलएज श्री सोमनाथ भारती जी, श्री प्रवीण कुमार जी, श्री कुलदीप कुमार जी और श्री अजय दत्त जी, चार के अलावा श्री संजीव जी, सॉरी संजीव झा। चार लोग को अप्रोच किया और इसके अलावा आठ लोग और हैं। प्लान है 40 लोगों को खरीदने का। यहाँ लोग दिल्ली के पूछ रहे हैं कि 277 एमएलए जो इन्होंने अब तक खरीद लिये। उन लोगों के लिए 6300 करोड़ कौन दे गया? वो किसके पैसे थे और वो रखे कहाँ थे। आज दिल्ली के लोग जानना चाहते हैं कि बीजेपी ने 800 करोड़ रूपये कहाँ से लिये हैं। वो कहाँ का पैसा है जो एमएलएज को खरीदने की कोशिश में वो लगाना चाहते हैं। वो जानना चाहते हैं कि बीजेपी सत्ता की इतनी लालची क्यों है और वो दिल्ली में ऐसा क्या करना चाहती है कि वो लोगों को प्रतिनिधित्व देना चाहती है। आज लोग केजरीवाल सरकार से बहुत ज्यादा खुश हैं। वो चाहते हैं कि केजरीवाल जी ने न केवल दिल्ली की सरकार चलायें बल्कि पूरे देश की सरकार चलायें। आज पूरा देश उनको इस निगाह से देख रहा है। आज लोग चाहते हैं कि दिल्ली का शिक्षा मंत्री देश का शिक्षा मंत्री बने। आज चाहते हैं लोग दिल्ली का चिकित्सा मंत्री, हेल्थ मिनिस्टर पूरे देश का हेल्थ मिनिस्टर बने कि लोगों को शिक्षा, चिकित्सा पूरे के पूरे देश में वर्ल्ड क्लास और मुफ्त मिले। आज लोग आम आदमी पार्टी को बहुत ज्यादा अच्छी निगाहों से देख रहे हैं। उन्हें उम्मीद है वो चाहते हैं कि ये सरकार ऐसे ही दिल्ली में चलती रहे और लगातार प्रगति पर रहे। वो चाहते हैं कि गुजरात में भी आम आदमी पार्टी की सरकार बने और क्यों न बने। दिल्ली में जिस तरीके से सरकार ने लगातार सब जगह अच्छे-अच्छे काम करने शुरू कर दिये हैं। चाहे वो चिकित्सा का क्षेत्र हो, शिक्षा का क्षेत्र हो।

माननीया अध्यक्षः कम्प्लीट करें।

श्री मदन लालः अभी जो डोर स्टेप डिलीवरी थी वहाँ सरकार ने कोशिश की।

माननीया अध्यक्षः कम्पलीट कीजिए।

श्री मदन लालः जी, सरकार ने कोशिश की कि घर-घर डिलीवरी दें पर सत्ता के भूखे लोगों ने उस स्कीम को चलने नहीं दिया। वो चाहते हैं कि ऐसी कोई स्कीम दिल्ली में लागू न हो कि लोग इस पार्टी को न केवल दिल्ली में बल्कि पूरे देश में एक्सेप्ट करने लगें। वो नहीं चाहते की दिल्ली के सरकारी स्कूलों जैसे स्कूल कहीं और बनाने की लोग मांग करने लगे। कहीं लोग कहें कि केजरीवाल जी हमारे यहाँ भी मुख्यमंत्री हों और शिक्षा मंत्री और चिकित्सा मंत्री हमारे दिल्ली जैसे हो। मैं अपने आपको फक्र महसूस करता हूं जब कभी मैं महसूस करता हूं कि मैं आम आदमी पार्टी का एक रिप्रजेन्टेटिव हूं। एक कार्यकर्ता हूं। फक्र होता है उस पार्टी का जिसने इतनी बढ़िया और इतने शानदार काम किये जिसके बारे में कोई परिकल्पना भी नहीं करता था। आज जब कभी भी हम जाते हैं, कहीं मिलते हैं, कहीं चर्चा में शामिल होते हैं तो लोग बड़े गर्व से कहते हैं कि आम आदमी पार्टी पहली पार्टी है जो लोगों के भले के लिए काम कर रही है नहीं तो सबसे पहले लोग केवल अपने भले के लिए काम कर रहे थे। आज लोग चाहते हैं और हम सब चाहते हैं इसलिए मैं महसूस करता हूं कि हम न केवल आम आदमी पार्टी के अच्छे सिपाही बनकर सारी जिन्दगी रहना चाहते हैं बल्कि हम चाहते हैं कि दिल्ली का वो हर शख्स जो हमारे साथ जुड़ा हुआ है। आज जो बुलन्द आवाज में कह रहा है कि अरविन्द

केजरीवाल को देश का प्रधानमंत्री होना चाहिए। मनीष सिसोदिया को दिल्ली का ही नहीं बल्कि पूरे हिन्दूस्तान का शिक्षा मंत्री होना चाहिए। ऐसे लोग अब बहुत तादाद में बढ़ने लगे हैं। इसलिए सरकार ने न केवल हमें बल्कि पूरी दिल्ली के लोगों को, पूरे देश के लोगों को विश्वास है और आज लोग समझते हैं कि दिल्ली के ये विधायक किसी भी कीमत पर बिकेंगे नहीं। कभी–कभी मैं धन्यवाद भी करता हूं अपने रिश्तेदारों का जो बीजेपी में हैं कि कम से कम उन्होंने मुझे खरीदने की कोशिश नहीं की। मैं जब पिछले 2013 में था तो मेरे दो रिश्तेदार बैठते थे यहाँ। शुक्र हैं उन्होंने मुझे कोशिश नहीं की। वो मुझसे दूर ही रहते थे। अछूत समझते थे। उस समय एक ऐसा माहौल था। एक केन्द्रीय मंत्री मेरी वाईफ के रिश्तेदार में हैं। उन्होंने भी कोशिश नहीं की। पर जिन दो लोगों ने कोशिश की वो मेरे दोस्त के थ्रू आये। उन्हें लग रहा था शायद हम इनको खरीद पायेंगे। पर उस समय मेरे जैसे जितने लोगों को यहाँ अप्रोच किया गया उनमें से न कोई तब तैयार था न 2015 में तैयार हुआ न 2020 और 2022 में तैयार होगा और न आने वाले समय में तैयार होगा।

माननीया अध्यक्षः चलिये, बहुत–बहुत धन्यवाद।

श्री मदन लालः हमें माननीय केजरीवाल जी की सरकार पर पूर्ण विश्वास है।

माननीया अध्यक्षः धन्यवाद मदन लाल जी।

श्री मदन लालः और इस विश्वास के साथ हम भरोसा रखते हैं कि इससे बढ़िया सरकार हिन्दूस्तान में न आज दिन तक आयी और न आने वाले समय में इससे बढ़िया कोई डिलीवरी दे सकते हैं। मैं धन्यवाद करता हूं माननीय

केजरीवाल जी का, माननीय मनीष सिसोदिया जी का और इनके मंत्रिमंडल का, साथ के साथ अपने सभी एमएलएज का। जो लोग इस पार्टी को सारे हिन्दूस्तान में एक एक्जाम्पल बनाकर पेश कर रहे हैं कि वो लोगों की सेवा के लिए आये हैं, अपनी सेवा के लिए नहीं। मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं और उम्मीद करता हूं कि आगे आने वाले समय में भी इससे ज्यादा बढ़िया तरीके से ये सरकार न केवल दिल्ली में बल्कि लोग जो चाहते हैं पूरे हिन्दूस्तान में।

माननीया अध्यक्षः बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री मदन लालः डिलीवर करेगी। धन्यवाद।

माननीया अध्यक्षः श्री प्रवीण कुमार जी।

श्री प्रवीण कुमारः माननीय अध्यक्षा महोदय जी, धन्यवाद। मुझे अभी-अभी पता लगा है कि मुझे इस इश्यू पर बोलना है। तो अभी मैं सोच रहा था कि आज ये कांफिडेन्स मोशन है और कांफिडेन्स मोशन जो है एक बहुत महत्वपूर्ण विषय है और इसके बारे में जब मैं सोच रहा था तो मेरे दिमाग में आया कि जिस तरीके से सरकार ने काम किया है। आम आदमी पार्टी सरकार ने काम किया है। चाहे वो शिक्षा में हो, स्वास्थ्य में हो, बिजली में हो, पानी में हो, फरिश्ते स्कीम हो। अलग-अलग कामों को लेकर जिस तरीके से आम आदमी पार्टी सरकार ने काम किया है और दिल्ली के लोग जो है आम आदमी पार्टी के ऊपर, अरविन्द केजरीवाल जी के ऊपर, मनीष सिसोदिया जी के ऊपर तीन बार अपना कांफिडेन्स दिखा चुके हैं और अब दिल्ली के बाद जो है ये कांफिडेन्स जो है पंजाब के लोग दिखा चुके हैं और गुजरात के लोग जो है ये कांफिडेन्स दिखाने वाले हैं और सिर्फ हिन्दूस्तान में नहीं दिल्ली और पंजाब की बात नहीं

है न्यूयार्क टाइम्स भी हिन्दूस्तान में चल रहे आम आदमी पार्टी की सरकार के ऊपर ये कांफिडेन्स दिखा रहा है। ये कांफिडेन्स वाशिंगटन डीसी पोस्ट जो वहाँ का अखबार है वो आम आदमी पार्टी सरकार की ओर, अरविन्द केजरीवाल की ओर, मनीष सिसोदिया जी की शिक्षा नीति के ऊपर न्यूयार्क टाइम्स जो हैं वो अपना कांफिडेन्स दिखा रहा है। तो आम आदमी पार्टी जो है लगातार जिस तरीके से बढ़ रही है और माननीय मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल जी के नेतृत्व में जिस तरीके से शिक्षा के ऊपर काम हो रहा है, स्वास्थ्य के ऊपर काम हो रहा है। लगातार एक के बाद एक जिस तरीके से स्कीमें आती हैं। जैसे-जैसे यहाँ से मनीष सिसोदिया जी, अरविन्द केजरीवाल जी जैसे स्कीम लाते हैं वैसे वहाँ पर दूसरी तरफ मोदी जी का बीपी बढ़ जाता है कि अब इसका जवाब क्या दूं। घबराने लगते हैं वो कि आखिर में अब इसका जवाब क्या दूं। अभी ये एक्साइज पालिसी के ऊपर बहुत डिसकस कर रहे है। अभी कल डिबेट सुन रहा था। मनोज तिवारी जी बहुत आजकल उछल रहे हैं। एक किसी ने मुझे whatsapp किया। उनका कुछ दिन पहले जब ये गवईया हुआ करते थे, आजकल तो गवईये सांसद बन गये हैं। जब ये गवईया हुआ करते थे उस दौरान इन्होंने भी एक्साइज पालिस लेकर आयी थी। जब इन्होंने अपने गाने में बनाया था कि बेबी बीयर पीकर नाचेगी। एक गाना है इनका। बड़ा पापुलर है। तब इन्हें एक्साइज पालिसी की याद नहीं आयी। जब गुजरात में लोग।

माननीया अध्यक्षः प्रवीण जी विषय पर रहिये।

श्री प्रवीण कुमारः ये गाना जो है मनोज तिवारी जी गाना बहुत अच्छा गाते हैं लेकिन जिस तरीके से वो एक्साइज पालिसी पर बात करते हैं अपने आप में पूरी की पूरी भारतीय जनता पार्टी जो है एक तरीके से ड्रामा बनाने

की कोशिश करती है। जब गुजरात में सैकड़ों लोग मर जाते हैं नकली शराब पीकरके तब उन्हें सीबीआई की याद नहीं आती कि वहाँ सीबीआई भेजकर कुछ इन्क्वायरी करा लें। सीबीआई भेजकरके छापा डलवा लें। अध्यक्ष महोदया, जैसे आज पूरा विधान सभा पर भी ये ड्रामा हुआ कि एक-एक करके सारे व्यक्ति जो है इनके सारे एमएलए एक-एक करके पूरा योजनाबद्ध तरीके से पूरे के पूरे तरीके से सदन का समय बर्बाद करने की कोशिश कर रहे थे ऐसे ये लगातार जो है आम आदमी पार्टी के जो पैतरें हैं उनमें उलझते रहते हैं कि आखिर आम आदमी पार्टी को सामना कैसे किया जाये। ये उनकी पूरी तरीके से तैयारी रहती है। अभी जैसे सीबीआई रेड का मसला चल रहा है। सीबीआई रेड के मसले के दौरान इन्होंने आम आदमी पार्टी सरकार को खरीदने की कोशिश करी। हमारे एमएलएज को खरीदने की कोशिश करी। मैंने पिछली बार भी बताया था जब ये पार्लियामेन्ट्री सेक्रेटरी वाला इश्यू चल रहा था तभी सतीश उपाधयाय इनके वो थे एक्स-प्रेसीडेन्ट, सतीश उपाधयाय। उनका जो है ऑफर मेरे पास आया था। ये बोलते हैं नाम बता दो, नाम बता दो और जिसको नाम बतायेंगे उसका परमोशन कर देते हैं ये। अभी वो जगदीश मुखी जी का नाम बताया था उनको जो है गवर्नर बना दिया। तो हम नाम लेकरके इनके नेताओं का नाम लेकरके उनका प्रमोशन क्यों दे। हम तो नहीं चाहते उनका प्रमोशन हो। तो हम नाम लेकरके आखिर उनका प्रमोशन क्यों दे और जैसे अभी सीबीआई रेड के बाद इन्होंने बीस-बीस करोड़ देकरके आम आदमी पार्टी के एमएलएज को खरीदने की कोशिश करी। इसके बाद एलजी के, एलजी साहब जो विनय सक्सेना है इनके ऊपर नोटबंदी के समय घोटाले के आरोप लगे। उसके बाद 6300 करोड़ रूपये आपरेशन लोटस के लिए कल हम सीबीआई के पास गये और एक बहुत

विडम्बना की बात है। जब हम कल सीबीआई के ऑफिस गये। हिन्दूस्तान में लोकतंत्र है। हिन्दूस्तान में अभी भी डेमोक्रेसी जिन्दा है और कल जब हम सीबीआई दफ्तर गये तो हमारे चुने हुए विधायक वहाँ पर सीबीआई के दफ्तर के बाहर वहाँ पर घंटो हमें इंतजार करना पड़ा। बहुत शर्म की बात है कि घंटों हमें सीबीआई के दफ्तर के बाहर वेट करना पड़ा और सीबीआई के डाइरेक्टर ने मिलने तक का समय नहीं दिया। क्या हिन्दूस्तान में लोकतंत्र नहीं है? क्या सीबीआई सिर्फ और सिर्फ जो है भारतीय जनता पार्टी की एक एजेन्सी बनकर रह गयी है। भारतीय जनता पार्टी का कोई मंडल अध्यक्ष भी मिल जाये तो सीबीआई डाइरेक्टर उसे खड़े होकर सैल्यूट मारकर बात करता है।

माननीया अध्यक्षः कम्पलीट कीजिये।

श्री प्रवीण कुमारः लेकिन आम आदमी पार्टी के इतने विधायक पहुँच जाये।

माननीया अध्यक्षः कम्पलीट कीजिये।

श्री प्रवीण कुमारः तब भी उसके कान पर जूं नहीं रेंगती। अध्यक्षा महोदय, कन्क्लूड तो इन्हें करना है 2024 में। अध्यक्षा महोदय, मुझे पता है कि इतने जो हमने चाहे वो एमएलए खरीदने का घोटाला इन पर लगाया हो, चाहे वो एलजी की नोटबंदी का घोटाला लगाया हो या 6300 करोड़, आपरेशन लोटस जो इन्होंने जमा कराया हो। जो इनका ये घोटाला है। इन पर आखिरीकर इस घोटाले का आउटकम कुछ नहीं निकलने वाला है क्योंकि इस समय जिस तरीके की सरकार केन्द्र में चल रही है। जिस तरीके की सरकार जो है इस समय नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में चल रही है क्योंकि इस समय सारी एजेंसियाँ उनके पास है। सारे इन्वेस्टिगेशन एजेंसीज उनके पास है। सारी जो है जिस–जिस तरीके

से जाँच एजेंसियाँ होती है वो सारी जॉच एजेंसी अभी सिर्फ और सिर्फ केन्द्र सरकार के हाथ में है और इस पर मुझे दो लाईनें याद आ रही है। जो कि इस समय जो हिन्दूस्तान की हालत है। जो केन्द्र सरकार की हालत है। इस समय जो हालत है। पूरे देश की जो हालत है। उस पर सबसे सटीक लाईन जो है मुझे आज यहाँ पर याद आ रही है। मैं इस लाईन को दोहरा देता हूं आप सबके सामने :-

मालूम ये होता है कि ये दौरे तबाही है,
मालूम ये होता है कि ये दौरे तबाही है,
शीशे की अदालत है और पत्थर की गवाही है,
शीशे की अदालत है और पत्थर की गवाही है,
दुनिया में कहीं ऐसी तफ्सील नहीं मिलती साहब,
दुनिया में कहीं ऐसी तफ्सील नहीं मिलती साहब,
कातिल ही मुहाफिज और कातिल ही सिपाही है।।

माननीया अध्यक्षः चलिए, बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री प्रवीण कुमारः कातिल ही मुहाफिज है और कातिल ही सिपाही है। मतलब वही है जो सब कुछ करा रहे हैं और सिपाही भी, अदालत, सीबीआई सब उनके पास है।

माननीया अध्यक्षः प्रवीण जी बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री प्रवीण कुमारः अध्यक्षा महोदय, कुछ निर्णय कीजिये। इसका।

माननीया अध्यक्षः श्री अब्दुल रहमान जी।

श्री अब्दुल रहमानः बहुत-बहुत धन्यवाद अध्यक्ष महोदया।

माननीया अध्यक्षः समय का धयान रखिये। बहुत सारे वक्ता हैं। आप समय का धयान रखें।

श्री अब्दुल रहमानः बहुत-बहुत शुक्रिया आपका। आपने मुझे इतने महत्वपूर्ण मुद्दे पर बोलने का मौका दिया। मैडम मैं सिर्फ दो मिनट में अपनी बात कहूंगा कि मुझे गर्व महसूस होता है जब कोई आकर या मुझे कहीं रोककर ये कहता है कि आपकी तीर्थ यात्रा से हमें बड़ा फायदा हुआ है। F/ आज आम आदमी पार्टी की सरकार ने जो दिल्ली के तमाम बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा पर भेजा तो गर्व से सीना चौड़ा हो जाता है। जब कोई कहता है कि आपके सीसीटीवी कैमराज से आज चोरियां दिल्ली में काफी बंद हो गयी हैं, बहुत कमी आ गयी है तो बड़ा गर्व से सीना चौड़ा हो जाता है। जहां डार्क स्पॉट थे दिल्ली में मुख्यमंत्री योजना से जहां लाईटें लगायी गयीं, तो मैडम बड़ा गर्व से सीना चौड़ा होता है जब लोग उसकी तारीफ करते हैं। जब लोग 200 यूनिट बिजली की, स्कूलों की, अस्पतालों की, मुफ्त दवाओं की, मुफ्त टेस्ट की तमाम चीजों की तारीफ करते हैं तो गर्व से सीना चौड़ा हो जाता है। मैडम जिस तरह से माननीय उप मुख्यमंत्री दिल्ली के शिक्षा मंत्री जी पर जिस तरह के आरोप लगाकर षडयंत्र के तहत इन लोगों ने उनके घर पर रेड करायी और उनको बदनाम करने की कोशिश की और हमारे बाकी एमएलएज पर जिस तरह एसीबी से बुलाकर और तमाम एजेंसियों का डर दिखा कर उनको डराया जा रहा है तो मैं बस इतना ही कहना चाहूंगा मैडम मुझे याद आती है एक महान शख्सियत राहत इंदौरी

की जिन्होंने अपनी एक ग़ज़ल में बड़ी खूबसूरत सी बात कही थी और मैं आपके समक्ष आज कहना चाहता हूं कि

अगर खिलाफ है तो होने दो जान थोड़ी है
अगर खिलाफ है तो होने दो जान थोड़ी है
ये सब धुंआ है कोई आसमान थोड़ी है
लगेगी आग तो आयेंगे घर कई ज़द में
लगेगी आग तो आयेंगे घर कई ज़द में
यहां पे सिर्फ हमारा मकान थोड़ी है
यहां पे सिर्फ हमारा मकान थोड़ी है
मैं जानता हूं कि दुश्मन भी कम नहीं लेकिन
मैं जानता हूं कि दुश्मन भी कम नहीं लेकिन
हमारी तरह हथेली पे जान थोड़ी है
हमारी तरह हथेली पे जान थोड़ी है
हमारे मुंह से जो निकले वही सदाकत है
हमारे मुंह से जो निकले वही सदाकत है
हमारे मुंह में तुम्हारी ज़बान थोडे ह़ी है
हमारे मुंह में तुम्हारी ज़बान थोडे ह़ी है
और मैडम बड़ी महत्वपूर्ण बात है:
किजो आज साहिब-ए-मसनद है

जो आज साहिब-ए-मसनद है कल नहीं होंगे
जो आज साहिब-ए-मसनद है कल नहीं होंगे
किरायेदार हैं ज़ाती मकान थोड़ी है
किरायेदार हैं ज़ाती मकान थोड़ी है
और सभी का खून है शामिल यहां की मिट्टी में
सभी का खून है शामिल यहां की मिट्टी में
किसी के बाप का हिंदुस्तान थोड़ी है
किसी के बाप का हिंदुस्तान थोड़ी है

मैडम मैं बड़ा गर्व महसूस करता हूं कि मैं आम आदमी पार्टी का एक विधायक हूं, मैं जहां भी जाता हूं हिंदुस्तान में, जब किसी को पता चलता है कि ये आम आदमी पार्टी का विधायक है तो वो बड़ी इज्जत और सम्मान की नजरों से देखता है तो मुझे ऐसे लगता है जैसे मुझे हजारों-लाखों करोड़ रूपये की इज्जत मिल गयी हो। मैडम ये 20 करोड़ क्या 2 हजार करोड़ देकर भी आम आदमी पार्टी के किसी एक विधायक को जम्बिश नहीं दिला सकते, हिला नहीं सकते, इनकी औकात नहीं। इस कांफिडेंस मोशन की मैं पूरी तरह हिमायत करता हूं और मैं पूरी तरह से अपनी आम आदमी पार्टी अरविंद केजरीवाल जी, मनीष सिसोदिया जी और पूरी पार्टी के अपने अध्यक्ष जी के साथ हूं और तमाम विधायकों के साथ हूं। बहुत बहुत शुक्रिया, धन्यवाद।

माननीया अध्यक्षः बहुत बहुत धन्यवाद। बी.एस. जून जी।

श्री बी.एस. जून: धन्यवाद मैडम। मैडम एक अंग्रेजी में कहावत है “self praise is no praise” प्रशंसा वही अच्छी जो दूसरे लोग करें। अभी कल एक खबर आई कि दिल्ली के 3 एजुकेशन मॉडल्स को तमिलनाडु की सरकार ने अडॉप्ट किया है। बहुत अच्छा लगा और उसका जो श्रीगणेश करवाएंगे तमिलनाडु सरकार वो माननीय मुख्यमंत्री और माननीय उप मुख्यमंत्री, शिक्षामंत्री जी से करवाएंगे। दूसरे बिहार के एजुकेशन मिनिस्टर ने कहा नयी सरकार बनते ही कि दिल्ली की शिक्षा नीति में कोई तो ऐसी बात है कि हम भी उसका अध्ययन करेंगे। तो जब दूसरे लोग प्रशंसा करें तो वो आपके काम पे आपकी प्रशंसा करते हैं और वो अच्छा लगता है। दूसरी साईड में क्या हो रहा है आज देश में एक भय का, डर का, घृणा का वातावरण है। जो अपोजिशन पार्टी की सरकारें हैं उनको ये पता नहीं वो आज हैं कल होंगी या नहीं होंगी। मैडम मैं तो ये कहता हूं कि ये जो ऑपरेशन लोटस है ये भारतीय जनता पार्टी के जींस में है। हम अगर थोड़ा सा इतिहास में जायें तो 1977 में जब कांग्रेस की सरकार गिराई गयी तो एक जनता पार्टी की सरकार आयी जिसमें भारतीय जनता पार्टी भी शामिल थी। सरकार बनते ही उन्होंने पहला काम क्या किया कि कांग्रेस रूल्ड जितनी भी स्टेट गवर्नमेंट थीं सबको डिसमिस कर दिया। अनडेमोक्रेटिक कार्य था लेकिन कोई कानून की परवाह करने की, कोई कांस्टीटयूशन की परवाह नहीं की, सारी सरकारें बर्खास्त कर दी। 3 साल वो सरकार चली, कांग्रेस दोबारा आई, कांग्रेस ने भी वही गलती की। जितनी भी अपोजिशन रूल्ड स्टेट्स थी उनको सबको डिसमिस कर दिया। उसके बाद अमेंडमेंट आया कि गवर्नर का रोल भी बड़ा कंट्रोवर्शियल होता था। फिर अमेंडमेंट आया कि 60 दिन के अंदर अंदर अगर कोई स्टेट गवर्नमेंट डिसमिस होती है तो वो पार्लियामेंट से अप्रूव

कराना पड़ेगा। फिर एंटी डिफेक्शन लॉ आया। पहले क्या था कि 1/3 एमएलए तोड़ेंगे तो आप इसको स्पिलिट माना जायेगा। वो भी तरीका इन्होंने ढूंढ लिया। वन थर्ड तोड़ने शुरू कर दिये। फिर टू थर्ड का रूल कर दिया 10जी शेडयूल में अमेंडमेंट करके। अब उन्होंने टू थर्ड एमएलए भी तोड़ दिये जिसका लेटेस्ट उदाहरण महाराष्ट्र की गवर्नमेंट है। और जहां नहीं टूटे वहां एमएलएज को रिजाईन कराना शुरू कर दिया। ये बड़ी अजीब बात है, कर्नाटक में हुआ, एमएलए रिजाईन कराया, अपनी सरकार बना ली और बाद में इलेक्शन करा के उन एमएलएज को हेराफेरी करके किसी तरीके से जितवा लिया। तो कहने का मतलब ये है कि इनका कोई एमएलए हो चाहे न हो, सरकार इनकी होनी चाहिये चाहे कैसे भी बने चाहे पैसे से बने, ताकत से बने, ईडी से बने, सीबीआई से बने इनका मतलब यही है कि हमारी सरकार होनी चाहिये। पिछले 8-10 साल में इसमें सरगर्मियां बहुत तेज हो गयी। 10 से 12 अपोजिशन की सरकारें इन्होंने ऐसे ही तरीकों से तोड़ दी गयी। आज झारखंड पे खतरा मंडरा हुआ है। झारखंड के सारे के सारे एमएलए छतीसगढ़ में, रायपुर में बैठे हुए हैं। किसी भी दिन वो सरकार टूट सकती है। दिल्ली की सरकार इसको तोड़ने की कोशिश की गयी, 12 एमएलएज को ऑफर दिया गया 20-20 करोड़ का। लेकिन मैं बधाई देता हूं दिल्ली के एमएलएज को कि वो इतने सुदृढ़ निश्चय के हैं, उनमें इतनी कनविक्शन है, उनमें इतना विश्वास है कि जो मर्जी दे दो वो एक भी एमएलए टूटने के लिये तैयार नहीं हुआ। एक बात मैडम मैं जरूर कहूंगा कि बिकता वही है जो बिकाउ हो। जिस स्टेट्स में 277 एमएलएज टूटे वो ऐसा स्टफ था जो बिकाउ थे। आम आदमी पार्टी में ऐसा कुछ नहीं है। आम आदमी पार्टी के जो एमएलएज हैं वो ऐसा स्टफ है जोकि कोई नहीं तोड़ सकता। तो दूसरी

अपोजिशन पार्टिज को भी सोचना पड़ेगा। जब टिकट सलेक्शन होता है तो बिकाउ माल को ना सेलेक्ट करें। ऐसे आदमी को चुनें जो आपकी पार्टी की, आपकी विचारधारा से जुड़े रहे और अंत तक वो चलते रहे। ये काम आम आदमी पार्टी की सरकार ने करके दिखाया। तो कहने का मतलब ये है कि ऑपरेशन लोटस is very dangerous to the democracy of this country, is very dangerous to the even integration of this country लोग alienation start कर देंगे। और वोटर्स का तो इंसल्टिंग है ही ये जो ऑपरेशन लोटस 6300 करोड़ रूपया आ गया, 277 एमएलएज खरीद लिये। लेकिन ये काम आम आदमी की सरकार ने दिल्ली में करके दिखाया कि ऑपरेशन लोटस को फेल कर दिया। कल हम जैसे सीबीआई के आफिस में गये रिप्रजेंटेशन देने के लिये तो वहां पे बैरिकेट लगे हुए थे, कांटेदार तार लगे हुए थे, हमने कहा मिलना चाहते हैं उन्होंने कहा आप मिल नहीं सकते। कहते हैं जी आपने टाईम नहीं लिया। हमने कहा ये पुलिस स्टेशन है सीबीआई हेडक्वार्टर भी पुलिस स्टेशन ही है जहां कंप्लेंट्स रिसीव होती हैं। आप हमें कैसे रोक सकते हैं। अल्टीमेटली उन लोगों की बात समझ में आयी और उन्होंने दो एमएलएज को अलाउ किया हमारे चीफ व्हिप और आतिशी जी को। वो अंदर जाके वो रिप्रजेंटेशन दे के आये। लेकिन उसपे कोई कार्रवाई होगी उसकी कोई संभावना नहीं है। ऑपरेशन लोटस ये बहुत पुराना इतिहास है इसका रहा है और हमें ये कोशिश करनी चाहिये और हम कर रहे हैं और हमने इसको फेल करके दिखाया क्योंकि अपने अच्छे कामों से। शिक्षा के मॉडल से, स्वास्थ्य के मॉडल से, बिजली के मॉडल से, पानी के मॉडल से, अब लोग कहते हैं जी बिजली फ्री कर दी। मैडम मैं इसका उल्टा उदाहरण देता हूं बिजली फ्री होने से बिजली इंप्रूव हो गयी 200 यूनिट तक

क्योंकि लोगों में आदत पड़ गयी बिजली बचाने की 200 यूनिट फ्री, 400 यूनिट हाफ उससे क्या हुआ लोगों ने बिजली बचानी शुरू कर दी और आज बिजली की कंडीशन पहले जो हुआ करती था बिजली रात भर लोग बनियान में घूमते रहते थे लाईट कब आयेगी जून के महीने में, तब सोयेंगे आज वो कंडीशन दिल्ली में नहीं है। ये बेटर गवर्नेंस का नतीजा है कि हम बिजली में भी इंप्रूव कर गये और पानी की सप्लाई में भी धीरे धीरे हमने इंप्रूव किया। तो मैं इस कांफिडेंस मोशन का समर्थन करता हूं, आम आदमी पार्टी की नीतियां जो हैं उन्हीं से समर्थित हमारे जो एमएलएज बैठे हैं वो बिल्कुल पार्टी के साथ हैं और ऐसी सिचुएशन भविष्य में भी कभी नहीं आयेगी, सुनने को भी नहीं मिलेगा कि एमएलए आम आदमी पार्टी का कोई डिफेक्ट हो के दूसरी पार्टी में गया या एमएलए आम आदमी पार्टी के बिकाउ स्टफ थे मैं इनको बधाई देता हूं और इस कांफिडेंस मोशन का समर्थन करता हूं।

माननीया अध्यक्षः बहुत बहुत धन्यवाद।

श्री बी.एस. जूनः धन्यवाद मैडम।

माननीया अध्यक्षः सोमनाथ भारती जी।

श्री सोमनाथ भारतीः अध्यक्ष महोदया आपका बहुत बहुत धन्यवाद आपने मुझे कांफिडेंस मोशन पर बोलने का मौका दिया। कल एक बहुत अच्छा समाचार हम सबको सुनने को मिला माननीय केजरीवाल जी ने हिन्दुस्तान की राजनीति में और शिक्षा क्रांति के अंदर एक नया कदम लिया। पहली बार इस देश के अंदर वर्चुअल स्कूल की स्थापना पूरे सदन को केजरीवाल जी को धन्यवाद करना चाहिये कि आज टेक्नोलॉजी का सबसे बेहतरीन यूज कि किस प्रकार से दिल्ली

में हो रही शिक्षा क्रांति देश के हर बच्चे को उपलब्ध हो, ये केजरीवाल जी ने किया उनको बहुत बहुत बधाई, पूरे देश को बधाई। मुझ से कोई कह रहा था कि भाई केजरीवाल जी अपने मूड में हैं। भाजपा कुछ भी कर ले, किसी प्रकार का भी आब्स्ट्रक्शन उनके रस्ते में डाले लेकिन वो रूकते नहीं हैं। यहां इतना कुछ हो रहा है लेकिन वो वर्चुअल स्कूल की स्थापना कर रहे हैं। तो इसने कहा अब न तो हमारे अरविंद जी हाथी हैं न वो वो हैं लेकिन एक कहावत है हिंदी में हाथी चले बाजार तो ये मैं कहना नहीं चाहता उस सब को लेकिन ये जिस प्रकार से ये अरविंद जी ये आपने जो बेधड़क एक के बाद एक रिफार्म्स किये जा रहे हैं यही तो मुसीबत हैं उनको। उनको लगा था कि भई राजनीति में आने के बाद हमारे रंग का हो जायेगा। उनको आपत्ति ये नहीं है वो जनता को ये नहीं कह रहे हैं कि मैं ईमानदार हूं वो कह रहे हैं कि भई अरविंद जी तो आये थे एंटी करप्शन के मसले पे वो भी हमारे तरह ही हैं। उनकी सारी की सारी जद्दोजहद इसको सिद्ध करने में लगा है कि ये हमारी तरह ही हैं। वो ये सिद्ध नहीं करना चाहते वो लकीा बड़ी नहीं खींचना चाहते कि हमारी लकीर बड़ी है वो सिद्ध करना चाहते हैं कि जी हमारी तरह ही हैं। उसी का परिणाम रहा गुजरात में, आम आदमी पार्टी के स्टेट जनरल सेक्रेटरी मनोज जी के ऊपर जानलेवा हमला हुआ। ये दर्शाता है कि किस प्रकार से भाजपा आज आहत है। उसे कोई रास्ता नहीं मिल रहा, कोई भागने का रास्ता नहीं मिल रहा किस प्रकार से अरविंद जी का समाधान ढूंढे वो। और उस हमले के बाद ये परिणाम हुआ गुजरात में गुलाब भाई यहां बैठे हैं कि संख्या हमारी जनसभा में दुगुनी हो गयी, तिगुनी हो गयी। तो गुजरात के अंदर जो आज 27 साल के बाद भाजपा आज पीड़ित दिख रही है कि किस प्रकार

से गुजरात के अंदर उनकी सता जाने वाली है और करीब करीब पंजाब हो सकता है उससे ज्यादा रिपीट होने वाला है यही उनकी मुश्किल है। मैं देख रहा था कि किस प्रकार से अभी एक वीडियो भी आई कि जी जनसभा भारतीय जनता पार्टी का और वहां पर आये लोग अरविंद जी की बड़ाई कर रहे हैं। वो मीडिया वाला पूछा भी भई आये क्यों आप? बोले हमको तो लाया गया है। तो मुझे ये आज कहते हुए गर्व हो रहा है कि जो सपने बाबा अम्बेडकर ने देखे, जो सपने शहीद भगत सिंह जी ने देखे, जो सपने उस वक्त क्रांति के साथियों ने देखा, अरविंद जी के हाथों भारत में हो रहा है पूरा। मैं पढ़ रहा था अखबारों के अंदर आज एक और न्यूज छपा है कि जी एलजी साहब केस करेंगे, एलजी साहब जो हैं हमारे कुछ साथियों पे केस करेंगे कि भई आपने 1400 करोड़ रूपये के घोटाले का आरोप लगाया। मैं कहना चाहता हूं आम आदमी पार्टी के नेता, कार्यकर्ता कोई भी नॉन सीरियस बात नहीं करते। मैंने कल भी ये बात कही थी बहुत अच्छा डाक्यूमेंटरी एविडेंस है। मैंने कल भी सलाह दी थी एलजी साहब के लिये कि साहब जो दुनिया के सबसे बड़े वकील हैं उन को अपने पास रख लीजियेगा, जब कोर्ट जायेंगे आपको बहुत जरूरत पड़ेगी ऐसे लोगों की क्योंकि आपका केस बहुत वीक है। जी/केबी डॉक्यूमेंट्री एविडेंस है। दो-दो हेड-कैशियर्स इस बात का प्रमाण दे रहे हैं लिखित में कि किस प्रकार से एल.जी. साहब ने उनकी अथॉरिटी को मिसयूज किया और ब्लैक मनी को वाइट किया। मैं पूरे अखबार पढ़ रहा था कि भाजपा का एक भी, कोई भी पॉजिटिव कहीं कोई न्यूज है, तो दो न्यूज निकला, एक निकला कि जी झारखंड में भाजपा के नेता, सीमा पात्रा जी ने किस प्रकार से एक आदिवासी महिला का, इस प्रकार से अमानवीय, बिल्कुल जानवरों जैसा सलूक किया, भाजपा

का एक न्यूज ये निकला। दूसरा न्यूज निकला कि जी मथुरा में प्लेटफॉर्म से बच्चा चोरी करके, जो बच्चा गायब हो गया था वो किसी भाजपा के पार्षद के घर से निकला। तो भाजपा के पास आज की तारीख में पूरे देश के अंदर कुछ भी पॉजिटिव बताने को नहीं है, इस प्रकार के कारनामे उनके नेता कर रहे हैं तो लाजमी है कि अरविंद जी से उनको घबराहट बहुत ज्यादा होगी। साथियों, कल, अध्यक्षा महोदय, कल हम लोग सी.बी.आई. हेडक्वार्टर गए थे। डेढ़ घंटा बैठे, 12-12 विधायक जमीन पर बैठे, 12-12 विधायक और हमारे सांसद-संजय सिंह जी भी जमीन पर बैठें और हम सबने डेढ़ घंटा वहां पर प्रोटेस्ट किया, उसके बाद, सी.बी.आई. कोई भाजपा का हेडक्वार्टर नहीं है, सी.बी.आई देश का इन्वेस्टिगेटिंग एजेंसी है, वहां पर हर आदमी की राइट है कि जाकर कि वहां कम्प्लेंट दे सके। लेकिन डेढ़ घंटे तक, डेढ़ घंटे इंतजार करने के बाद वहां से एक आदमी आता है और कहता है कि आप दे दो और हम वहां दे देंगे। लेकिन फिर उनको लगा, कि जब हमारे साथियों ने कहा ये किस प्रकार से आप ये हमें नहीं जाने दे रहे, तो वहां हमारे 2 साथी जाकर देकर आए। साफ-साफ, खुल शब्दों में, पहली बार किसी party ने ये बात कही कि जो 277 विधायकों को तोड़कर के विभिन्न राज्यों में, अरूणाचल प्रदेश हो, कर्नाटका हो, मधय प्रदेश हो, महाराष्ट्रा हो, मणिपुर हो, गोवा हो, उत्तराखंड हो, इन सारे राज्यों में जिस प्रकार से सरकारें तोड़-तोड़कर, मैं कह रहा था कि पी.एच.डी. मिलना चाहिए, माननीय मोदी जी को, उनकी एम.ए. तो डाउटफुल है, जो कहते हैं भई entire पॉलिटिकल साइंस में एम.ए. किया है, वो तो डाउटफुल है लेकिन पी.एच.डी. जरूर उनको मिल सकती है, Ph.D in how to make a government without having MLAs ये Ph.D का thesis है और

सिर्फ, और सिर्फ यही मिलना है,यही चार पन्ना दे दें तो ये entire पॉलिटिकल साइंस वाली डिग्री तो वेरीफाई नहीं हो पा रही है लेकिन अगर ये चार पन्ना उनको दे दिया जाए किसी यूनिवर्सिटी को, तो माननीय मोदी जी को हम आगे से फिर डॉक्टर नरेंद्र मोदी जी कह सकते हैं। आज से ही कह देते हैं, Ph. D. in how to make a government without having MLAs.

अध्यक्ष महोदया, सी.बी.आई. और ई.डी. का ऐसा दुरूपयोग होगा इस देश में, लोग मजाक बनाने लगे हैं। आजकल एक ऑडियो घूम रहा है, पूरे देश में ऑडियो घूम रहा है अगर आप इजाजत दें तो मैं इसको, 20 सेकंड का ऑडियो है, वो सुनवा दूं क्योंकि ये पूरी बात किस प्रकार से मजाक बना दिया है इन्होंने, ये जाहिर हो जाएगा। मैं आपकी इजाजत से चलाता हूं इसको।

(ऑडियो चलाई)

''प्रश्न–हैलो,

उत्तर–हैलो।

प्रश्न– हां जी,

उत्तर– मैं ई.डी. ऑफिस से बोल रहा हूं भैया।

प्रश्न– ई.डी. से? अरे साहब मैं तो कल ही बी.जे.पी. जॉइन कर ली साहब।

उत्तर– सॉरी, सॉरी, सॉरी। wrong number सॉरी।

प्रश्न– तो, थैंक यू सर, थैंक यू।

उत्तर– ओ.के.।''

तो ये स्थिति हो गई है। वो एजेंसियां जिसको देश के अंदर करप्शन और, करप्शन और भ्रष्टाचार के बड़े-बड़े मुद्दों को उठाकर के देश की सिक्योरिटी को संभालना था, वो उसकी स्थिति ये हो गई है। तो ये, मैं कह रहा था इस बात को कि किस प्रकार से इन्होंने देश का बेड़ा गर्क कर दिया है, ये किसी से छुपा हुआ नहीं है।

माननीया अध्यक्षः कम्पलीट कीजिए भारती जी।

श्री सोमनाथ भारतीः ये आज जो माननीय केजरीवाल साहब ने सदन के अंदर कॉन्फिडेंस मोशन मूव किया है, उसके समर्थन में खड़ा हूं और लोग पूछ रहे थे कि क्यूं, क्या जरूरत आन पड़ी, तो आज सदन के अंदर सभी साथियों को देखकर के भारत में एक विश्वास पैदा हो गया है। सिंगल पार्टी है जिसके नेता, मंत्री, डसे, कार्यकर्ता, आप लालच दे दें, डरा दें, धमका दें, कुछ भी कर दें, वो आम आदमी पार्टी, अरविंद केजरीवाल और देश को धोखा नहीं देंगे, इसकी जरूरत है, ये जरूरत है।

अध्यक्ष महोदया, हम लोगों ने कसम खाई है, इस देश के अंदर जिस प्रकार से गुड गवर्नेंस का मॉडल, मैंने पहले भी इस सदन के माधयम से मोदी जी को बचाने का प्रयत्न किया था। अच्छा ये होता कि केजरीवाल जी को, मनीष जी को, मुख्यमंत्रियों की मीटिंग बुलाई जाती माननीय प्रधानमंत्री के द्वारा और उसमें कहा जाता कि भई गुड, गुड प्रैक्टिसिस कहां-कहां, किस प्रकार से हो रहे हैं, उनको सभी मुख्यमंत्री बताए। एक दूसरे के गुड प्रैक्टिसिस से सीखकर के ही भारत-माता की जयकार होगी, भारत बढ़ पायेगा, भारतवर्ष का भला हो पायेगा और भारत के हर बच्चे का भला हो पायेगा।

आज वर्चुअल स्कूल के माधयम से बड़ा-बड़ा साफ-साफ है, difference साफ-साफ है कि किस प्रकार से एक पार्टी इस काम में लगी हुई है कि बच्चों को अशिक्षित रखा जाए, देश को अशिक्षित रखा जाए, देश को गरीब रखा जाए क्योंकि गरीब और अशिक्षित जनता ही इस प्रकार के प्रधानंमत्री को ला सकती है। अध्यक्षा महोदय, मैं बहुत धन्यवाद करता हूं, हमें गर्व होता है कि हमें केजरीवाल जी के साथ काम करने का मौका मिला,

माननीया अध्यक्षः कम्पलीट कीजिए।

श्री सोमनाथ भारतीः उनके साथ भारत की सेवा करने का मौका मिला। मैं इन्हीं शब्दों के साथ कॉन्फिडेंस मोशन को सपोर्ट करते हुए अपनी बात को विराम देता हूं। जय हिंद, जय भारत।

माननीया अध्यक्षः बहुत-बहुत धन्यवाद। माननीय मंत्री- राजेंद्रपाल गौतम जी।

माननीय समाज कल्याण मंत्री (श्री राजेंद्रपाल गौतम): धन्यवाद अध्यक्ष महोदया, आज आपने मुझे विश्वास मत पर अपनी बात रखने का मौका दिया। आज मैं ये बताना चाहता हूं कि दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक-माननीय अरविंद केजरीवाल जी के साथ आम आदमी पार्टी के सभी विधायक, सभी कार्यकर्ता, देश के सभी मजदूर, देश के सभी किसान, दलित, पिछड़े आदिवासी, देश के सभी लोग अरविंद केजरीवाल को पसंद क्यों करते हैं? मुझे लगता है कि इस अंतर को समझना पड़ेगा कि एक तरफ देश के प्रधानमंत्री-माननीय मोदी जी हैं और एक तरफ दिल्ली के मुख्यमंत्री-माननीय अरविंद केजरीवाल जी हैं, एक ने तय किया, अरविंद केजरीवाल जी ने तय किया कि मैं भारत को दुनिया का नम्बर-1 देश बनाना चाहता हूं और दूसरे

ने, यानी देश के प्रधानमंत्री जी ने तय किया कि मैं अपने दोस्त को दुनिया का नम्बर-1, सबसे अमीर आदमी बनाना चाहता हूं। दोनों अपने-अपने लक्ष्य पर लगे हुए हैं। आज तक इतिहास में आपने देखा नहीं होगा कि कोई व्यक्ति पूंजी के मामले में 208 वें नम्बर पर हो और 7 साल के अंदर वो दुनिया में तीसरे नम्बर पर आ जाए, ऐसा कोई बिजनेस आपने पूरी दुनिया के अंदर देखा नहीं होगा। तो सबकी अपनी-अपनी काबिलियत है। जिसे देश से प्यार है, वो देश को दुनिया का नम्बर-1 देश बनाने के लिए लगा है और जिसको अपने दोस्तों से प्यार है, वो अपने दोस्त को दुनिया को नम्बर-1 बनाने पर लगा है।

दूसरा जो हमारे देश के अंदर, चाहे वो ई.डी. हो, चाहे वो सी.बी.आई. हो, चाहे ब्यूराक्रेसी के लोग हों, चाहे सांसद हों, विधायक हों, मंत्री हों, मुख्यमंत्री हों, प्रधानमंत्री हों, राष्ट्रपति हों, मुझे लगता है सबको ये समझना चाहिए कि हम सब लोग देश की जनता के लिए हैं, देश की सेवा करने के लिए हैं। और जो भी अधिकार हमारे पास हैं, ये अधिकार किसी पार्टी के नेता ने या किसी प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति जी ने नहीं दिए हैं, ये अधिकर हमें डॉक्टर बाबा साहेब अंबेडकर के संविधान ने, भारत के संविधान ने दिए हैं। हमारा समर्पण देश के संविधान के प्रति होना चाहिए। हमारा समर्पण देश की जनता के लिए होना चाहिए। हमारा समर्पण भारत-माता के लिए होना चाहिए। लेकिन जिस प्रकार सभी जांच एजेंसियां भारत के संविधान के प्रति समर्पित होने की बजाय, केंद्र की सरकार के सामने घुटने टेककर अवैध काम में लगी हैं, सरकारों को गिराने के लिए संविधान से प्राप्त शक्तियों का दुरूपयोग करने में लगी हैं, ये बेहद शर्मनाक है, ये पूरे देश के साथ धोखा है। मुझे लगता है देश के लोगों को इस अंतर को समझना चाहिए कि कौन देश से प्यार करता है और कौन सच्चे

मायने में देशद्रोही है। सी.बी.आई. को मैं आज, एक काम मैं सौंपना चाहता हूं, मैं चाहता हूं सदन के माधयम से पूरे देश के सामने जाए और सी.बी.आई., ई.डी. उनको भी पता लगे, ई.डी. को मनी लॉन्ड्रिंग कहां-कहां हो रही है, इसको अगर खोजना ही चाहती है तो वो अपना टाइम आम आदमी पार्टी के मंत्रियों के यहां खोजने में न लगाए, ये तो आप समय की और पैसे की, देश की जनता के पैसे की बर्बादी कर रहे हैं, अगर आप सच में जांच करना चाहते हैं, मनी लॉन्ड्रिंग कहां-कहां हो रही है और पैसा कहां जा रहा है, अगर इसकी जांच करना चाहते हैं तो ऐसे लोगों की जांच करो जो लोग, जनता के पैसे जो बैंक में जमा थे उन बैंक के पैसे को, जो लोग विदेशों में भाग गए मारकर, उनको लोन दिलवाने में किसने मदद की, उनकी जांच कर लो तो मुझे लगता है हजारों करोड़ निकल आयेगा। और साथ में उनकी भी जांच कर लो कि जनता के पैसे को लेकर विदेश में भागने में किन लोगों ने मदद की, अगर इसकी भी जांच हो जाए तो कितना-कितना पैसे की मनी लॉन्ड्रिंग हुई है, शायद वो भी पकड़ में आ जाए। और इसके साथ-साथ ये भी जांच होनी चाहिए कि पूरे देश के अंदर एक पार्टी को बड़े-बड़े पूंजीपति 90 परसेंट चंदा दे रहे हैं, कुछ ऑन रिकॉर्ड दे रहे हैं, कुछ ऑफ रिकॉर्ड दे रहे हैं, लेकिन ये जांच जरूर करनी चाहिए ई.डी. को और सी.बी.आई. को कि जिस पार्टी को 10 हजार करोड़ ऑन रिकॉर्ड, ऑफ रिकॉर्ड चंदा दिया, उस पार्टी ने केवल 10 हजार करोड़ के लालच में 10 लाख करोड़ से ज्यादा उन्हीं चंदा देने वालों का लोन माफ कर दिया और फिर वो उनके पैसे से जनता की चुनी हुई सरकार को गिरा रहे हैं। मैं तो धन्यवाद करूंगा अपने आम आदमी पार्टी के जांबाज विधायक साथियों का, जिन्होंने लुटियंन जोंस में बैठकर भारतीय जनता पार्टी के नेताओं

के द्वारा षड़्यंत्र करके बनाए गए 'ऑपरेशन लोटस' की लुटिया डूबोई, ये काम केवल आम आदमी पार्टी के ही विधायक कर सकते हैं बाकी तो पूरे देश में हम देख रहे हैं किस तरह सरकारें गिराई जा रही हैं, किस तरह डेमोक्रेसी का कत्ल किया जा रहा है।

माननीय अरविंद जी मैं आपको सैल्यूट करता हूं, भारत में कम से कम एक नेता तो ऐसा हुआ जिसने डॉक्टर बाबा साहेब अंबेडकर के सपने को, जिसने शहीद भगत सिंह जी के सपने को, जिसने भारत के संविधान निर्माताओं के सपने को, जिसने भारत के स्वतंत्रता सेनानियों के सपने को साकार करने के लिए अपना पूरा जीवन कुर्बान करने के लिए तैयारी कर ली। ये आपका बलिदान बेकार नहीं जाएगा अरविंद जी, आप मेरे शब्दों को आज याद रख लीजिए, आपका बलिदान बेकार नहीं जाएगा। आप देश बचाने निकले हैं तो या तो कोई देश बचा सकता है या फिर अपने दोस्तों को बचा सकता है। एक तरफ क्रिमिनल दोस्त हैं, उनको बचाया जा रहा है, एक तरफ देश बचाया जा रहा है। तो मैं समझता हूं हम सबको अरविंद जी के साथ इतने मजबूती के साथ खड़ा होना चाहिए, जब तक भारत के देश के सारे संसाधनों को बेचने वाले लोगों को केंद्र की सत्ता से बेदखल न कर दें, तब तक चैन से नहीं बैठना है किसी को, तब तक चैन से नहीं बैठना है। कुर्बानी तो देनी पड़ेगी, इतिहास कोई ऐसे ही नहीं लिखा जाता। इतिहास में 2 तरह के लोग होते हैं, कुछ लोग सामान्य होते हैं, सामान्य लोग भी प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति की कुर्सी तक पहुंच जाते हैं, लेकिन कुछ लोग ही होते हैं जो इतिहास पुरूष होते हैं। इतिहास पुरूष लिखने वाले लोग इतिहास बदलने का काम करेंगे, इतिहास लिखने का काम करेंगे। मुझे डॉक्टर बाबा साहेब अंबेडकर की एक बात याद आती है, वो कहते

थे देश का संविधान, किसी भी देश का संविधान कितना ही अच्छा क्यों न हो, अगर उसके लागू करने वाले लोगों की नीयत ठीक नहीं है तो वो संविधान बुरा साबित होगा।

लेकिन अगर देश के संविधान में थोड़ी बहुत कमी भी हो और उसको लागू करने वाले लोग ईमानदार हों, उनकी नीयत अच्छी हो तो वो संविधान दुनिया का सबसे अच्छा संविधान साबित होगा। तो आज ऐसे नेताओं की जरूरत है जो देश से प्यार करते हैं। चूंकि अभी देश में जिस तरह की परिस्थितियां चल रही हैं उसमें हमारा गर्दन शर्म से झुक जाती है। प्रजातंत्र की खूबसूरती ये है कि एक सरकार जो सत्ता में होती है जब वो राज्य के अंदर या केन्द्र के अंदर काम करती है, भारत के अंदर काम करती है और काम करते हुए वो ऐसे काम कर देती है जो लोग उससे नाखुश हो जाते हैं, वो लोगों का बुरा कर देती है, वो लोगों की नौकरियां छीन लेती है, वो देश के संसाधनों को बेच देती है, वो गरीबी को बढ़ावा दे देती है, वो धर्म और जाति के नाम पर उन्माद करने वाले लोगों को माला पहना देती है। जब ऐसे लोगों को बदलने के लिए प्रजातंत्र में लोगों को बाबासाहब ने वोट का अधिकार दिया और जब वो जनता इंतजार करती है आने दो चुनाव, इस सरकार ने हमारा जीना हराम कर दिया, इस सरकार ने हमारी नौकरियां छीन लीं, इस सरकार ने महिलाओं के ऊपर उत्पीड़न बढ़ा दिया, इस सरकार ने देश के संसाधनों को बेच दिया, आने दो चुनाव, इस चुनाव में इनको सबक सिखाएंगे और चुनाव आता है और जनता सबक सिखाती है। जनता दूसरी पार्टी की सरकार चुन लेती है लेकिन दुख तब होता है, प्रजातंत्र तब शर्मसार हो जाता है जब वो हारी हुई पार्टी जनता की अपेक्षाओं के खिलाफ जा के जीते हुए सत्तापक्ष के विधायकों को खरीद

के और फिर से सरकार बना लेती है। ये तो जनता के साथ धोखा है, ये तो देश के साथ धोखा है, ये तो भारत के संविधान के साथ धोखा है। ऐसा काम करने वाले सच्चे मायने में देशद्रोही हैं। आज मैं माननीय अरविंद केजरीवाल जी से एक बात कहना चाहता हूं पूरा देश आपको एक आष्ठाा की किरण के रूप में देख रहा है, पूरा देश आपको एक उम्मीद के तौर पर देख रहा है। चूंकि जब 1896 के आसपास जब डाक्टर अंबेडकर स्कूल जाते थे तब भी उन्हें घड़े को छूने की इजाजत नही थी, इंतजार करना होता था, चपरासी आएगा तो पानी पिलाएगा। जिस दिन चपरासी छुट्टी पर होता था उस दिन डाक्टर अंबेडकर को पानी नहीं मिलता था। दुख इसलिए ज्यादा है कि आज आजादी का 75 वां अमृत महोत्सव तो हम मना रहे हैं लेकिन घड़ा छू लेने से, घड़ी से पानी ले लेने से मात्र नौ साल के बच्चे की हत्या हो रही है। मूंछ रखने पर हत्या हो रही है। अभी आपको मैं एक छोटा सा किस्सा बता के अपनी बात को छोटा करूंगा, एक आईएएस ऑफिसर मेरे घर पर आए पिछले हफ्ते इस बार वो आईएएस बने, ऑल इंडिया रैंक उनका बाईस है। पिछली बार वो आईपीएस थे। वो राजस्थान से हैं, उनकी पत्नी हरियाणा से है, उनकी पत्नी इंडियन फॉरन सर्विस से है। उसकी खुद की शादी थी आईपीएस ऑफिसर की उसकी शादी में उसको धमकी दी गई कि अगर आप घोड़ी पर बारात निकालोगे तो आपकी बारात को निकलने नहीं देंगे। वो तो आईपीएस ऑफिसर था उसने तुरंत अपने ऊपर अधिकारियों से बात की पूरे गांव को छावनी बना दिया तब कहीं जाकर उसकी बारात निकली तो आजादी का 75 वां अमृत महोत्सव मना रहे हैं लेकिन जातिवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा, छुआछूत खत्म होने का नाम नहीं ले रहा। तो इस तरह की हत्याएं और आज भी घड़े छू लेने पर हत्या, घोड़ी पर बारात

निकालने पर हत्या और जिस तरह एजुकेशन को मंहगा करके पूरे देश के बच्चों से एजुकेशन छिन रही है, इस सपने को अगर कोई दुनिया में भारत के अंदर अगर कोई साकार करने का काम कर रहा है कि गरीब से गरीब के बच्चे को क्वालिटी एजुकेशन मिले, गरीब से गरीब के बच्चे को क्वालिटी एजुकेशन मिले। सबको सरकारी खर्चे पर इलाज मिले, सबको सम्मान का जीवन मिले, छुआछूत मुक्त भारत बने, जातिवाद मुक्त भारत बने, इंसान इंसान सब बराबर हों और सरकार का धर्म मानवता हो। ये काम अगर कोई भारत के अंदर कर रहा है तो वो अरविंद केजरीवाल हैं, वो भारत के लोगों कि सपने को साकार करने का काम कर रहे हैं, वो भारत की उम्मीद हैं, वो आष्ठाा की किरण हैं तो मैं अपने शब्दों को यह कहते हुए विराम देता हूं अरविंद जी आप लगे रहिए, केवल हमारे विधायक साथी नहीं पूरा देश आपके साथ है। बहुत बहुत धन्यवाद। जयहिंद, जय भीम, जय भारत।

माननीया अध्यक्षः बहुत बहुत धन्यवाद मंत्री जी। अब श्री अरविंद केजरीवाल जी माननीय मंख्यमंत्री चर्चा का उत्तर देंगे।

माननीय मुख्यमंत्री (श्री अरविंद केजरीवाल): माननीया अध्यक्षा महोदया, अभी कुछ दिन पहले इन लोगों ने मनीष सिसोदिया जी के खिलाफ एक पूरी मनगढ़ंत और झूठी एफआईआर की, केस दर्ज किया कि मनीष सिसोदिया जी पैसे खा गये, शराब नीति में पैसे खा गये। हम लोग पब्लिक लाईफ में हैं। पब्लिक लाईफ में आदमी को किसी भी तरह की जांच पड़ताल के लिये हमेशा तैयार रहना चाहिये। मुझे बेहद खुशी है कि तुरंत मनीष जी ने बयान दिया कि मैं सब तरह की जांच के लिये तैयार हूं, सीबीआई, ईडी जो जांच करना चाहे, जांच कर ले।

मनीष जी ने धमकी नहीं दी कि मैं तुम्हारे ऊपर डिफेमेशन के केस कर दूंगा, ये कर दूंगा, वो कर दूंगा। अरे क्यूं कर दूंगा जब कुछ करा ही नहीं तो कर लो जांच। तो आरोप लगा कि मनीष सिसोदिया जी शराब की नीति में पैसे खा गये। तो वो पैसे ढूंढने के लिये सीबीआई इनके घर गयी, तो खूब ढूंढा उन्होंने, चारों तरफ काफी देर ढूंढा, सारा चौदह घंटे तक उन्होंने ढूंढा। सब कुछ देखा गद्दे फाड़े, तकिये फाड़े, बता रहे हैं दीवारें भी यूं यूं करके देखी, खोखली मिलती तो शायद दीवारें भी तोड़ देते। लेकिन कुछ नहीं मिला उनको, चौदह घंटे के बाद वो चले गये। छह सात घंटे तक गहन पूछताछ की। कुछ लोग मैं देख रहा था टीवी में आरोप लगा रहे थे ये लोग कि जवाब क्यूं नहीं देते, सारे जवाब दिये इन्होंने, जितने प्रश्न सीबीआई वालों ने पूछे सारे जवाब दिये और सीबीआई वाले पूरी तरह से संतुष्ट होके इनके घर से गये। फिर सीबीआई वाले इनके गांव गये। गांव में सारे गांव वालों से पूछा भई मनीष सिसोदिया ने कोई प्रापर्टी खरीदी हो, जमीन खरीदी हो, कोई खेती की जमीन खरीदी हो, कोई मकान खरीदा हो, कोई, कुछ नहीं मिला। फिर इनके लॉकर चेक करने के लिये गये, उनको लगा शायद यहां कोई ज्वेलरी हो, पैसा हो, प्रापर्टी के कागज हों, वहां शायद 70-80 हजार रूपये के भाभी जी के कोई छोटे मोटे गहने मिले तो लाकर चेक कर लिया, गांव में सारी प्रापर्टी चेक कर ली, सब कुछ चेक कर लिया, कुछ भी नहीं मिला। तो अब सीबीआई वाले भी अच्छे लोग हैं, इंसान हैं वो भी, उनके दिल में भी आत्मा है, वो देख रहे हैं कि क्या हो रहा है यहां, वो भी सोचते हैं यार ये ठीक नहीं हो रहा। वो जाते जाते कह रहे थे इनको कहते हैं जी कुछ नहीं मिला हम लोगों को, लेकिन ऊपर से प्रैशर इतना ज्यादा है कि एक बार आपको गिरफ्तार तो करना पड़ेगा।

तो मनीष जी ने उनको कहा कि भई चिंता मत करो जब भी गिरफ्तार करना हो मेरे को बता देना मैं आ जाउंगा, मेरे को गिरफ्तार कर लेना। तो गिरफ्तार तो होंगे ही ये लेकिन मोटे मोटे तौर पे सारा देश देख रहा है भई, सारी जांच कर ली, सब कुछ कर लिया, कुछ नहीं मिला, पाक साफ एक तरह से मैं बार बार कहता हूं कि हम लोग बार बार प्रधान मंत्री मोदी जी से ईमानदारी का सर्टिफिकेट लेके आएं हैं तो एक बार फिर से प्रधानमंत्री जी ने मनीष सिसोदिया को ईमानदारी का सर्टिफिकेट दिया है कि तुम सबसे ईमानदार। बाकी राजनीति तो चलती रहेगी, गिरफ्तारी जो है वो तो राजनीतिक होगी। मैं ये देख रहा था कि इस तरह के झूठे सच्चे केस कर कर के, इंक्वायरी कर करके मिलता क्या है इनको? मानव जीवन का मुझे लगता है कि तीन चार हजार साल का इतिहास है, इन तीन चार हजार साल में शायद आम आदमी पार्टी ऐसी पार्टी है जिसके ऊपर सबसे ज्यादा केस हुए होंगे। पूरी दुनिया में, मैं सारा आज डेटा लेके आया हूं। हमारे 49 एमएलएज़ के ऊपर 169 केस हुए हैं। छोटी सी पार्टी है, अभी अभी पैदा हुई है और हमारे ऊपर 169 केस कर दिये इन्होंने। उन्नचास एमएलएज़ पे 169 केस कर दिये, 169 में से 134 केस खत्म हो गये, कोर्ट ने खत्म कर दिये, कोर्ट ने कहा भई कुछ नहीं है इन केसों में, खूब डांटा इनको पुलिस वगैरह को कि क्या बेकार की चीज है, पैंतीस केस अभी पेंडिंग हैं वो भी खत्म हो जायेंगे थोड़े बहुत दिनों में। इसमें मैं देख रहा था सोलह केस मेरे ऊपर करे थे इन्होंने, सोलह में से बारह में तो मैं बरी हो गया, चार पेंडिंग हैं. तेरह केस मनीष जी के ऊपर करे थे उसमें से दस में ये बरी हो गये, तीन पेंडिंग हैं। जैन साहब के ऊपर चार केस करे थे, दो में बरी हो गये, दो पेंडिंग हैं। दिनेश मोहनिया पे दस केस करे थे नौ

में बरी हो गये, एक पेंडिंग है, बंदना कुमारी पे छह केस करे थे सारे बरी हो गये। अखिलेश त्रिपाठी पे चार करे थे तीन बरी हो गये। इस तरह से पूरी लिस्ट है 49 एमएलएज़ की। इन्होंने हमारी बोले बसों की खरीद पे घोटाला हो गया, कर लो जी आ जाओ, जांच कर लो, कर ली सारी जांच, कुछ नहीं मिला। एक नये पैसे का कुछ नहीं मिला। बोले शराब पॉलिसी में घोटाला हो गया, उसमें कुछ नहीं मिला अभी तक तो। स्कूलों में घोटाला हो गया, सारे स्कूलों की भी जांच चार साल हो गये इनको स्कूलों की जांच करते करते, उसमें भी कुछ नहीं मिला। मोहल्ला क्लिनिक में बोले खूब घोटाला हो गया, उसमें भी कुछ नहीं मिला। बोले अस्पतालों में घोटाला हो गया, अस्पतालों के कंस्ट्रक्शन में, दवाईयों में, पता नहीं क्या क्या, वो सारी जांच कर ली, उसमें कुछ नहीं मिला। कोरोना के वक्त बोले घोटाला हो गया, पूरी दुनिया कह रही है कोरोना में हम लोगों ने बड़ा अच्छा काम किया, बोले घोटाला हो गया उसकी भी जांच कर ली। बोले सड़कों के निर्माण में घोटाला हो गया उसकी भी जांच कर ली, उसमें भी कुछ नहीं मिला। इससे क्या फायदा, इससे कोई देश का फायदा है, ऐसी झूठी सच्ची जांच करने का। देश का टाईम खराब कर रहे हो, लोगों का टाईम खराब कर रहे हो, काम में अड़चन अड़ा हो, रोज नयी नयी उलट पुलट जांच कर रहे हो। एक जरूर हुआ है, जबसे इन्होंने मनीष सिसोदिया के यहां रेड मारी है गुजरात में हमारा चार परसेंट वोट शेयर बढ़ गया। और जिस दिन ये इनको गिरफ्तार करेंगे मुझे लगता है कि छह परसेंट वोट और बढ़ जायेगा। अगर दो बार गिरफ्तार हो गये तो सरकार ही बन जायेगी गुजरात में। आज देश में राष्ट्रीय स्तर पे दो ही पार्टियां बची हैं। एक है कट्टर ईमानदार पार्टी, और एक है कट्टर बेईमान पार्टी। दो ही पार्टियां हैं। कट्टर

ईमानदार पार्टी है उसमें सारे उनके नेता, मंत्री, मुख्यमंत्री, विधायक सब ईमानदार हैं और जो कट्टर बेईमान पार्टी है उसमें रोज भ्रष्टाचार सुनने को मिलता है, कल सुन रहे थे कर्नाटक के अंदर ठेकेदार खड़े होके कह रहे थे खुलेआम कभी नहीं हुआ होगा ऐसा, वो डर भी निकल गया उनका, ठेकेदार खड़े हो के कह रहे हैं कोई कह रहा है मेरे से तीस परसेंट पैसे खा गये, मेरे से चालीस परसेंट खा गये। कट्टर बेईमान पार्टी वो है जो जहरीली शराब बेचती है। कट्टर बेईमान पार्टी वो है जो नशा बेचती है इस देश में। कट्टर बेईमान पार्टी है जो 20–20 करोड़, 50–50 करोड़ रूपये में एमएलए खरीदती है। कट्टर ईमानदार पार्टी जनता के टैक्स के पैसे को स्कूल और अस्पताल बनाती है कट्टर ईमानदार पार्टी उससे स्कूल बनाती है, अस्पताल बनाती है और कट्टर बेईमान पार्टी जनता से टैक्स लेके और अपने दोस्तों के कर्जे माफ करती है, उनसे एमएलए खरीदती है। कट्टर बेईमान पार्टी अपने दोस्तों से और अपने पार्टी के लोगों से प्यार करती है, उनको बचाने की कोशिश करती है अगर उनकी पार्टी का कोई पकड़ा जाए तो उसको जांच भी नहीं होती, कुछ नहीं होता, उनका कोई दोस्त पकड़ा जाये चोरी करते हुए तो उसका कुछ नहीं होता। कट्टर ईमानदार पार्टी देश से प्यार करती है अगर उनका अपना भी कोई फंसे,अगर अपना भी कोई फंसे तो उसको बख्शाती नहीं है कट्टर ईमानदार पार्टी, कट्टर बेईमान पार्टी है जिसमें कम पढ़े लिखे लोग हैं आधे से ज्यादा अनपढ़ लोग हैं, उनके कई नेताओं की फर्जी डिग्रियां हैं, कट्टर ईमानदार पार्टी, वो है जिसके पास पढ़ेलिखे लोग हैं आईआईटी के लोग हैं और डिग्री असली है। कट्टर ईमानदार पार्टी के पास अच्छी टीम है, समझ है, विजन है। कट्टर बेईमान पार्टी है जो 24 घंटे गुंडागर्दी, लड़ाई झगड़ा पूरे देश में बेईमान पार्टी को पता चल जाये किसी ने बलात्कार किया

है, उसको पार्टी में शामिल कराने के लिये पहुंच जाते हैं। औरतों को गंदी–गंदी गालियाँ देते हैं ये और कट्टर ईमानदार पार्टी है जो शारीफों की पार्टी है, महिलाओं की इज्जत करती है। कट्टर बेईमान पार्टी है जो दोस्तों की फिक्र करती है, दोस्तवाद करती है, दोस्तों के लिये कुछ भी करने को लिये तैयार है। कट्टर ईमानदार पार्टी है जो भारत की परवाह करती है, भारतवाद करती है और जैसा अभी राजेंद्र गौतम जी ने कहा कि कट्टर ईमानदार पार्टी है जो भारत को नम्बर वन देश बनाना चाहती है और कट्टर बेईमान पार्टी वो है जो अपने दोस्त को दुनिया का नम्बर वन बनाना चाहती है। मैं कहता हूं मैं फ्री बिजली देना चाहता हूं, बताओ क्या गलत करता हूं, पैसा स्विस बैंको में नहीं ले जा रहा, जनता को फ्री बिजली। ये इतनी गंदी–गदी गालियाँ देते हैं, मैं देखता हूं इतनी गंदी–गदी गालियाँ देते हैं मेरे को। मैं कहता हूं मैं स्कूल और अस्पताल बनाना चाहता हूं देश में। दिल्ली में हमने इतने अच्छे–अच्छे स्कूल बनाएं, इतने अच्छे–अच्छे ये। जैसे ही मैं कहता हूं मैं स्कूल, अस्पताल बनाऊंगा मेरे ऊपर केस कर देते हैं। ये इतने केस कर दिये हैं इन लोगों ने मेरे ऊपर। मैं पूछना चाहता हूं कि स्कूल और अस्पताल बनाए बिना क्या देश की तरक्की हो सकती है, बिल्कुल नहीं हो सकती देश की तरक्की। तो आज दो मांग हम कर रहे हैं इनसे। एक तो ये जो एमएलए खरीदते हो तुम। इन्होंने महाराष्ट्र में, मधयप्रदेश में, गोवा में, कर्नाटक में, आसाम में, अरुणाचल प्रदेश में, बिहार में। अब झारखंड में करने जा रहे हैं, बता रहे हैं बीस–बीस करोड़ से पचास–पचास करोड़ रुपये तक एमएलए खरीदे हैं। 6300 करोड़ रुपये इन्होंने एमएलए खरीदने में खर्च कर दिये जिसकी वजह से देश में पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ गए। तो आज पहली मांग तो देश के लोगों की आ रही है एमएलए खरीदना बंद करो बहुत हो

गई गुड़ागर्दी, सरेआम मंड़ी बना रखी है एमएलएज की। एमएलए खरीदना बंद करो और ये पेट्रोल और डीजल के दाम कम करो और दूसरी मांग है की ये कर्जे जो तुम लोगों ने अपने दोस्तों के कर्जे माफ करते हो। ये सारा पैसा रिकवर किया जाना चाहिये और किसानों और स्टूडैंटस के कर्जे माफ किए जाने चाहिये ना के दोस्तों के कर्जे माफ किए जाएं। ये डिबेट आजकल अमेरिका में भी चल रहा है, अमेरिका के अंदर भी दो पार्टियाँ हैं, जो बाइडन साहब अभी स्टूडैंटस के कर्जे माफ कर रहे हैं। दूसरी पार्टी है जो इनके दोस्त की पार्टी है, वो कह रहे हैं स्टूडैंटस के कर्जे माफ नहीं होने चाहिये अरबपतियों के कर्जे माफ होने चाहिये। वो इसका विरोध कर रहे हैं, वहां भी यही चल रहा है और यहां भी यही डिबेट चल रहा है, इस देश के अंदर की क्या अरबपतियों के कर्जे माफ होने चाहिये या किसानों के और स्टूडैंटस के कर्जे माफ होने चाहिये। मैं पिछले कुछ दिनों से देख रहा हूं जो टीवी में चल रहा है, जो डिबेट चल रही हैं, बहुत आहत हूं मैं। ये चल क्या रहा है, मतलब ऐसा लड़ाई-झगड़ा, ऐसा लड़ाई-झगड़ा। हमारा कसूर क्या है। मैं देख रहा था, स्कूलों के ऊपर ऐसे टूट के पड़े हैं की। इन्होंने क्या आरोप लगा रहे हैं कि इतने स्कूल क्यों बना दिये, इतने स्कूल क्यों बना दिये। तो स्कूल बनाना तो अच्छी बात है, किसी भी देश में स्कूल बनाना तो अच्छी बात है, बताओ क्या गलत किया। इनका दूसरा आरोप है, स्कूलों में इतने कमरे क्यों बना दिये है। अब कमरों में हम तो रह नहीं रहे है, बच्चे ही पढ़ रहे है यार कमरों के अंदर तुमको क्या तकलीफ है। बोले गरीबों के बच्चों के लिये इतने कमरों की क्या जरूरत है, गरीबों के बच्चे तो कम कमरों में भी पढ़ लेंगे। एक-एक कमरों में सौ-सौ ठूस दो पढ़ लेंगे। अरे हम गरीबों के बच्चों को, मिडल क्लास के

बच्चों को अच्छी शिक्षा देना चाहते हैं तुमको क्या तकलीफ है। तुम अपने बच्चों को विदेश भेजते हो, हम अपने बच्चों को अपने देश के अंदर अच्छी शिक्षा नहीं दे सकते क्या। कहते हैं गरीबों के बच्चों के लिये इतने स्कूल बना दिये, गरीबों के बच्चों के लिये इतने टॉयलेट क्यों बना दिये। बताओ ज्यादा टॉयलेट बनाकर हम क्या करेंगे उसका, हमारा उसमें क्या रोल है यार पहले ऐसे जमाना था जहां पर टॉयलेट ही नहीं होते थे स्कूलों के अंदर, बच्चियों को अपने घर जाना पड़ता था अगर जरूरत पड़ती थी। आज अगर हमने अच्छे टॉयलेट बना दिये, वहां अगर हमारी बेटियों को, बच्चियों को, बच्चों को अगर सुविधा मिल रही है तो इसमें क्या तकलीफ है। ये आरोप है इनके ज्यादा स्कूल क्यों बना दिये। फिर कह रहे हैं क्लासों में इतना डिजिटल बोर्ड लगाने की क्या जरूरत थी, इतने शानदार डैस्क बनाने की क्या जरूरत थी, गरीबों के बच्चे, रिक्शो वाले के बच्चे, मजदूर के बच्चे, इन लोगों को क्या जरूरत है इतने अच्छे-अच्छे डैस्कों पर पढ़ने की। इन लोगों को क्या जरूरत है डिजिटल बोर्ड की, इतना पैसा खर्च ने की क्या जरूरत थी, हम तो करेंगे। हम अच्छी शिक्षा देंगे, अब ये देश बदलेगा, अब ये देश रूकने वाला नहीं है। तुम लोगों ने गरीबों का मजाक बना दिया था इस देश के अंदर, अब इस देश के गरीबों को अच्छी शिक्षा मिलेगी और तुमसे आंखों में आंखे मिलाकर तुम्हारा सामना करेंगे गरीबों के बच्चे। पहले कहते थे केजरीवाल ने एक भी स्कूल नहीं बनाया, केजरीवाल ने एक भी स्कूल नहीं बनाया, केजरीवाल ने एक भी स्कूल नहीं बनाया। आजकल कहते हैं केजरीवाल ने ज्यादा स्कूल बना दिये, मतलब मैं समझ नहीं पा रहा। ये मैंने कहा की जो कट्टर बेईमान पार्टी है इस देश की वो अनपढ़ लोगों की पार्टी है, डिग्री नहीं है उनके पास, समझ नहीं है उनके। बेवकूफों की भी पार्टी है ये। एक मैं देख

रहा था आजकल स्कूलों में घूम रहे हैं ये, कल मैंने देखा सौरभ के साथ लड़ाई-झगड़ा हो रहा था। आजकल स्कूलों में घूम रहे हैं की कमी निकालनी है, कुछ भी कमी निकालनी है। खैर जबरदस्ती कमी निकालने की क्या जरूरत है। अच्छे स्कूल बने हैं, एप्रीसिएट करो, आप भी बनाओ, लम्बी लकीर खिंचो। स्कूल में जाते हैं कुछ नहीं मिलता। एक मैं देख रहा था इनका बहुत बड़ा नेता एक डैस्क के नीचे घुसा हुआ था। डैस्क के नीचे घुसकर, देखो यहां पर मिट्टी है, वहां पर दिखा रहा था देखो यहां पर मिट्टी है। कैमरा वालों को बुला रहा था एक डैस्क के नीचे घुसकर, ये क्या है। तमाशा बना रखा है इन लोगों ने। यार अच्छे काम एक दूसरे से सिखते हैं ना। मैं इनको बार-बार कह चुका। असम के मुख्यमंत्री के साथ अभी ट्विटर पर बातचीत हुई। मैंने उनको कहा भई आपने कुछ अच्छा काम किया मैं आता हूं दिखाओं मेरे को मैं भी दिल्ली में करूंगा। आप दिल्ली में आओ मैंने जो किया, मैं भी दिखाउंगा। दिखाते ही नहीं हैं कुछ बताते ही नहीं हैं कुछ, करते ही नहीं। मैंने गुजरात के मुख्यमंत्री को कहा, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री कहो कहा, यूपी के मुख्यमंत्री को कहा। आपने जो अच्छे काम किये, अभी मैं तमिलनाडू जा रहा हूं 2 दिन के बाद उन्होंनें बड़े अच्छे काम किये हैं वो बुला रहे हैं मेरे को मैं जाऊंगा वहां से सिखूंगा वो हमसे सिखेंगे। इनके कितनी बार हमने कह लिया भई जो हम अच्छे काम कह रहे हैं आप सिखो, जो आपने अच्छे काम किये हम बताएंगे। ये इस तरह की नौटंकी करने से क्या फायदा। इससे देश का फायदा थोड़े ही होता है। जो मार-काट, गुड़ागर्दी, लड़ाई-झगड़ा बस 24 घंटे यही करते रहते हैं, इससे देश का फायदा नहीं होने वाला। मैं सामान्य सा आदमी हूं, एक मिडल कलास का सामान्य से परिवार में पैदा हुआ। आईआईटी गया, आईआईटी में मेरी

पढ़ाई हुई, मैकेनिकल इंजिनियरिंग की। आज मैं जो कुछ भी हूं मैं समझता हूं कि मैं मेरी शिक्षा की वजह से हूं। आज मेरे दोनों बच्चे आईआईटी में पढ़ रहे हैं, बेटी आईआईटी में पढ़कर पास हो चुकी है, बेटा। दोनों अपने पैरों पर खड़े हैं, वो भी अपनी शिक्षा की वजह से। मेरा आज एक ही सपना है की जो शिक्षा इस देश ने मेरे को दी, मेरे बच्चों को दी है, वो शिक्षा मैं इस देश के हर बच्चे को दिला पाऊं, मेरी जिंदगी में। मेरे को जो शिक्षा मिली है, मेरे जो शिक्षा मिली है वो, उसी क्वालिटी की शिक्षा इस देश के हर बच्चे को मिलनी चाहिये। और जो इन लोगों ने करना है कर लें, मेरे को गिरफ्तार करना है कर ले, इसको भी करना है, हम सबको जेल में डाल दें, हमें इसकी कोई परवाह नहीं है। एक थोड़ा, एक दो दिन पहले रिपोर्ट आई थी कि दिल्ली के अंदर कानून व्यवस्था बहुत ज्यादा खराब हो गई है, उसके लिये की हम सब लोग चिंतित हैं, हम इसमें किसी भी किस्म की राजनीति नहीं चाहते। हम चाहते हैं कि एलजी साहब और केंद्र सरकार इस बारे में जो भी उचित कदम है वो उठाएगी, हमसे जो भी सहायता चाहिये करने के लिये तैयार हैं, अपने-अपने स्तर के ऊपर। लेकिन महिलाओं की सुरक्षा को लेकर जो रिपोर्ट आई है वो बहुत ज्यादा चिंताजनक है की पूरे देश के अंदर सबसे अनसेफ मैट्रो जो है वो दिल्ली है। ये दाग हम बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं। हम अपनी महिलाओं को हम चाहते हैं वो सबके लिये सुरक्षित हो और आज पढ़ा हमने न्यूजपेपर में, मीडिया में भी देखा की एक बच्ची को गोली मारकर तीन लड़कों ने उसकी हत्या कर दी। इसकी हम कठोर निंदा करते हैं। उसमें से 2 लड़के बता रहे हैं पकड़े गए हैं, एक अभी भी फरार है। वो भी पकड़ा गया, वो भी पकड़ा गया है। इस किस्म की इन्सीडैंटस किसी भी सभ्य सोसाइटी में शोभा नहीं देते,

उसकी हम कड़ी निंदा करते हैं। आज ये जो कोंफिडेंस मोसन लाया गया है इसका सबसे बड़ा प्रपज ये है कि पूरे देश के अंदर जो इन लोगों ने माहौल बना लिया, इनको लगता है कि किसी को भी खरीदा जा सकता है। आम आदमी पार्टी वालों को नहीं खरीदा जा सकता। आज हम इस देश के सामने साबित करेंगे। इन्होंने 40 एमएलए खरीदने का प्लान बनाया था। हमारे 12 एमएलए से सम्पर्क किया बोले बीस-बीस करोड़ रुपये ले लो और 40 को ले आओ, 800 करोड़ रुपये इन्होंने रख-रखे थे। हमारा एक भी एमएलए नहीं बिका, इनका ओपरेशन लोटस फेल हो गया। हमारे टोटल 62 एमएलए हैं, 62 में से स्पीकर साहब अभी कनाडा गये हुए हैं, नरेश बाल्यान आस्ट्रेलिया गये हुए हैं, सत्येन्द्र जैन अभी जेल में हैं। उन 3 को छोड़कर आज 59 एमएलए यहां मौजूद है काउंटिंग कर लेना।

माननीया अध्यक्षः अब श्री अरविंद केजरीवाल जी माननीय मुख्यमंत्री द्वारा दिनांक 29 अगस्त, 2022 को सदन में प्रस्तुत विश्वास प्रस्ताव सदन के सामने है,

जो इसके पक्ष में है, वो हां कहें,

जो इसके विरोध में है, ना कहे,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता प्रस्ताव पारित हुआ।

माननीय सदस्य सौरभ भारद्वाज जी ने मत विभाजन की मांग की है, सभी माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि वे अपने निर्धारित स्थान पर ही रहें तथा

जब मैं कहूं तब अपने स्थान पर खड़े हो जाएं, जब तक बैठने के लिये ना कहूं तब तक कृपया बैठे ना। अब माननीय मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल जी द्वारा प्रस्तुत विश्वास प्रस्ताव पर मत विभाजन होगा। अब जो सदस्य इस प्रस्ताव के पक्ष में हैं वे अपने स्थान पर खड़े हो जाएं और जब तक सदन की कार्यवाही के रिकॉर्ड में पूरी गिनती की एंट्री ना हो जाए तब तक बैठे ना। आप लोग बैठ सकते हैं। अब जो सदस्य इस प्रस्ताव के विरोध में हैं वे अपने स्थान पर खड़े हो जाएं और जब तक सदन की कार्यवाही के रिकॉर्ड में पूरी गिनती की एंट्री ना हो, तब तक ना बैठे। अब जो सदस्य इस प्रस्ताव से अलग रहना चाहते हैं वे अपने स्थान पर खड़े हो जाएं और जब तक सदन की कार्यवाही के रिकॉर्ड में पूरी गिनती की एंट्री ना हो, तब तक ना बैठे।

इस प्रस्ताव के पक्ष में 58 सदस्य हैं, जबकि विरोध में जीरो सदस्य हैं, कोई भी सदस्य इस प्रस्ताव से तटस्थ नहीं रहा है, अतः विश्वास प्रस्ताव पास हुआ। दोबारा पढ़ दूं अगर किसी को ना समझ आया हो तो। जी, मैं दोबारा पढ़ देती हूं किसी को कोई कन्फूजन ना हो। इस प्रस्ताव के पक्ष में 58 सदस्य हैं, जबकि विरोध में जीरो सदस्य हैं, मतलब किसी ने विरोध किया ही नहीं और कोई भी सदस्य इस प्रस्ताव से तटस्थ नहीं रहा है। अतः विश्वास प्रस्ताव पूरे बहुमत के साथ सदन में पास हुआ।

सदन को अनिश्चित काल तक के लिये स्थगित करने से पहले मैं सदन के नेता एवं माननीय मंख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल जी, माननीय उप-मुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदिया जी, सभी मंत्रीगण, माननीय नेता प्रतिपक्ष श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी जी तथा सदन के सभी माननीय सदस्यों का हार्दिक आभार प्रकट करती हूं। इसके अलावा सत्र के संचालन में सहयोग देने के लिये विधान सभा सचिवालय

तथा दिल्ली सरकार के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ-साथ विभिन्न विभागों और सुरक्षा एजेंसियों तथा मीडिया का भी धन्यवाद करती हूं। अब मैं माननीय सदस्यों से अनुरोध करूंगी की वे राष्ट्रगान के लिये खड़े हो जायें।

'राष्ट्रगान'

अब सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल तक के लिये स्थगित की जाती है धन्यवाद।

(सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिये स्थगित की गई।)

...समाप्त...

© दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र शासन अधिनियम, 1991 की धारा 18 (2) के उपबंधों तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली विधान सभा प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 281 (2) के प्रावधानों के अंतर्गत प्रकाशित तथा ग्राफिक प्रिंटर्स, 2965 /41, बीडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली-110 005 द्वारा मुद्रित।